# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹105540/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹128900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹140706/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand jewels Pandri, Raipur


अलनीनो के प्रभाव और कमजोर मानसून ने छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन की शुरुआत को प्रभावित कर दिया है। जून समाप्त होने को है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। नतीजतन धान की बोनी पिछड़ गई है, खेत सूखे पड़े हैं और किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कई जिलों में अंकुरण सूखने लगे हैं तो कहीं बुआई का रकबा घट गया है। कृषि विभाग किसानों को कम अवधि वाली धान किस्मों और दलहन-तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों की सलाह दे रहा है, जबकि किसान अब भी अच्छी बारिश की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पेश है प्रदेशभर के हाल:

**धान की बुआई जून के दूसरे सप्ताह तक होती है पूरी, बारिश की वजह से 80 फीसदी**

**प्रदेशभर की रिपोर्ट, किसान दलहन-तिलहन की ओर, अर्ली वेरायटी पर फोकस**

# रूठे मेघ, सहमे किसान, छत्तीसगढ़ में पिछड़ी खेती, कहीं 10, कहीं 15 फीसदी ही बुआई

भिलाई-देवीलाल साहू/ राजनांदगांव- हफीज खान/ कवर्धा-महेश मिश्रा/ गरियाबंद- गोरेलाल सिन्हा/ धमतरी-दीपनारायण शर्मा/ कांकेर-विजय पांडेय बिलासपुर-कोमल सिंह/कोरबा-राकेश श्रीवास्तव/अंबिकापुर-अजय नारायण पांडेय/रायगढ़-स्वतंत्र महंत/ जांजगीर-अभिषेक शुक्ला की विशेष रिपोर्ट

## बिलासपुर :खेती पर संकट

## अब तक केवल 5 हजार हेक्टेयर में बुआई

*मानसून सक्रिय होने में विलंब होने और औसत से कम बारिश होने के कारण धान की बोनी पिछड़ गई है। किसान सूखे खेतों में ट्रैक्टर से जोताई तो कर रहे हैं, लेकिन जमीन सूखी होने के कारण बोनी नहीं कर पा रहे हैं। जून से अब तक जिले में केवल 5 मिमी बारिश दर्ज की गई है. जबकि पिछले 10 वर्षों के औसत के हिसाब से जून माह में 150 मिमी बारिश होती है, नतीजा यह है कि जिले में अब तक सिर्फ 5000 हेक्टेयर क्षेत्र में ही धान की बोनी हो सकी है, जबकि सामान्य स्थिति में जून के अंतिम* ▶▶| शेष पेज 6 पर

### ट्यूबवेल वाले तैयार कर रहे नर्सरी

कृषि उप संचालक पीडी हथेश्वर के अनुसार जिनके पास ट्यूबवेल की सुविधा है, वे नर्सरी तैयार कर चुके हैं, लेकिन ज्यादातर किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। श्री हथेश्वर के अनुसार अभी देर नहीं हुई है, लेकिन हालत ऐसे ही रहने ▶▶| शेष पेज 6 पर

## कांकेर : कम बारिश ने खरीफ फसल की रफ्तार की धीमी

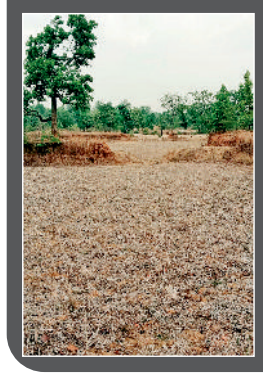

अलनीनो के प्रभाव और जून के अंतिम सप्ताह तक सामान्य से कम बारिश ने कांकेर जिले में खरीफ सीजन की रफ्तार धीमी कर दी है। कांकेर जिले के मैदानी इलाकों में जहां कुछ हद तक बुआई हुई है, वहीं अंतागढ़, कोयलीबेड़ा और दुर्गुकोंदल जैसे आदिवासी विकासखंडों में बारिश की कमी के ▶▶| शेष पेज 6 पर

## धमतरी: बोनी के बाद सूखे पड़े हैं खेत

*बारिश की बेरूखी से खेती किसानी पिछड़ गई है। किसान खेतों में धान छिड़ककर अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बारिश बूंदाबांदी से आगे नहीं बढ़ रही है। ऐसे में किसानों को बीज के खराब होने का डर सता रहा है।*

उत्पादन घटने की आशंका बढ़ गई है। अलनीनों के असर से धमतरी जिले में सूखा पड़ा हुआ है। मानसून तो प्रवेश कर चुका है, लेकिन बारिश नहीं हो रही है। उधर खरीफ की बोनी का समय निकलता जा रहा है। किसान कामता सेन, मुरारजी साहू, चंद्रहास साहू ने बताया कि धान की बोनी के लिए आदर्श ▶▶| शेष पेज 6 पर

## कोरबा : अलनीनो के असर से सूखे जैसे हालात

## जिले में 22 सौ हेक्टेयर घटा बोनी का रकबा

मानसून की बेरुखी का असर अब खेती में दिखने लगा है। जून का महीना बीतने को है, बारिश न होने की स्थिति को देखते हुए आंशिक सूखे की संभावना जताई जा रही है। विभाग ने बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष बोनी का रकबा 22 सौ हेक्टेयर कम कर दिया है। इससे फसल की पैदावार भी कम होगी। आने वाले दिनों में भी अगर अच्छी बारिश नहीं हुई तो बोनी रकबा और भी कम हो सकता है। अल्प वर्षा को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को धान ▶▶| शेष पेज 6 पर

### कम हुई बोनी

बीते वर्ष की तुलना में कम हुई बोनी अल्प वर्षा के कारण आंशिक सूखे की स्थिति निर्मित होने लगी है। किसानों को धान की जगह अन्य फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जून महीने तक बीते वर्ष बोनी रकबा 10 हजार हेक्टेयर पहुंच चुका था। इस वर्ष बोनी रकबा 7 हजार 200 के लगभग हुआ है। यही स्थिति रही तो धान का उत्पादन प्रभावित होगा।

-डीपीएस कंवर
उप संचालक कृषि

## जांजगीर: : मानसून की राह तक रहे किसान

जून का महीना समाप्ति की ओर है, लेकिन अब तक जिले में मानसून की जोरदार बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, पर धान की बुआई शुरू करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया है। ऐसे में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए मानसून की पहली अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 5 जुलाई से नहर की धार छूटेगी, इसके बाद कृषि कार्यों में तेजी आएगी।
इधर, हल्की-फुल्की बारिश के बीच किसान किसी तरह अकरस जुताई का काम पूरा कर रहे हैं, ताकि बारिश होते ही बुआई शुरू की जा सके। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो 5 जुलाई से हसदेव बांगो ▶▶| शेष पेज 6 पर

## सरगुजा

### मानसून ने बढ़ाई किसानों की चिंता, सूख रहे बीजों के अंकुर

मानसून की बेरूखी ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। प्री-मानसून की बारिश के बाद खरीफ फसलों के लिए किसानों ने अपने खेतों को तैयार कर लिया है लेकिन बारिश के अभाव में न तो बुनाई कर पा रहे हैं न ही अभी तक धान का बीड़ा ही लगा पाए हैं।अवर्षा की स्थिति को देखते हुए विकासखण्ड मैनपाट, सीतापुर, बतौली एवं लुण्ड्रा में बड़ी संख्या में किसानों ने बीड़ा तैयार न कर सीधे अपने खेतों में धान के बीजों की सूखी बुनाई कर दी है लेकिन चिलचिलाती धूप निकलने एवं खेतों की नमी सूख जाने के कारण धान के अंकुर झुलस जा रहे हैं। किसानों ने मक्का सहित अन्य फसलों की बुनाई कर दी है, कुछ ने धान का थरहा भी लगाया है लेकिन खेतों में दरार पड़ने के कारण फसल तेजी से झुलस रही है।

## रायगढ़

### बोनी के बाद सूख गए 40 फीसदी अंकुरण, 20 दिन पिछड़ गई खेती

**रायगढ़।** जिले के किसानों ने रोपा के बजाए खेतों में बोनी तो 20 दिन पहले कर दी थी लेकिन बारिश नहीं होने से अंकुरण 40 फीसदी अब सूख चुके हैं। हालात यह है कि अब खेतों में किसानों को दोबारा बुआई करनी पड़ेगी। बारिश नहीं होने से करीब 20 दिन खेती का काम पिछड़ चुका है। इसका असर उत्पादन पर पड़ेगा। दूसरी ओर बारिश नहीं होने की वजह से खेतों में बड़े धान ▶▶| शेष पेज 6 पर

# ट्रैफिक जवानों के लिए एसी वाले हेलमेट का ट्रायल

ट्रैफिक जवानों को प्रतिदिन कई घंटे खुले आसमान के नीचे खड़े रहकर यातायात नियंत्रित करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में जवानों को एसी वाले हेलमेट देने की तैयारी चल रही है।

रमन हलवाई ▶▶| रायपुर

रायपुर में शनिवार को उसका ट्रायल शुरू किया गया। यह तकनीक न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ा सकती है, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यदि ट्रायल सफल रहता है तो भविष्य में अधिक संख्या में ट्रैफिक जवानों को ऐसे हेलमेट उपलब्ध कराए जा सकते हैं। पुलिस विभाग का मानना है कि बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने से जवानों की कार्यकुशलता और मनोबल दोनों में वृद्धि होगी। विवेक शुक्ला, एडीसीपी ट्रैफिक का कहना है कि एक कंपनी द्वारा कुछ एसी हेलमेट ट्रायल के लिए उपलब्ध कराए हैं। भीषण गर्मी में ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक जवानों को राहत देने के उद्देश्य से इनका परीक्षण किया जा रहा है।

खास खबर

### 8 से 15 डिग्री तापमान कम कर सकता है हेलमेट

*हेलमेट के ऊपरी हिस्से में एक छोटा बैटरी संचालित फैन और एयर-डक्ट सिस्टम लगा होता है। पीछे कमर या बेल्ट पर बैटरी पैक लगाया जाता है, जो फैन बाहर की हवा को खींचकर फिल्टर करता है और चेहरे व सिर की ओर भेजता है। कुछ मॉडलों में कूलिंग मॉड्यूल भी होता है, जो हवा का तापमान कुछ डिग्री कम कर देता है। एक बार चार्ज होने पर यह सामान्यतः 6 से 8 घंटे तक काम करता है। कंपनियों के दावों और पुलिस ट्रायल रिपोर्टों के अनुसार यह सिर के आसपास के तापमान को लगभग 8 से 15 डिग्री सेल्सियस तक कम महसूस करा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस और लू का खतरा घटता है।*

## रेस्क्यू टीम सदस्य सुनील ने किया चौंकाने वाला दावा

# केतन का सिर कुचला मिला, शांत थी सिया

एजेंसी ▶▶| पुणे

केतन मर्डर केस में हर रोज नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। केतन की रेस्क्यू करने वाली टीम के सदस्य सुनील गायकवाड़ ने दावा किया है कि केतन की खोपड़ी कुचली हुई थी, उसके सिर पर गंभीर चोटें थीं और हाथ-पैर भी कई जगह चोट थीं। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद बाकी लोग मदद के लिए चिल्ला रहा थे, लोग रो रहे थे लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। गायकवाड़ ने बताया कि शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। 18 जून की सुबह 10:30 बजे घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी। रेस्क्यू ऑपरेशन दोपहर 12:30 तक चला और करीब 1:30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था।

### सगाई तोड़ने से आसान था खाई में धकेलना

लोहागढ़ फोर्ट मर्डर केस में आरोपी सिया गोयल ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिया गोयल ने उन्हें बताया कि उसका मानना था कि केतन अग्रवाल को लोहागढ़ फोर्ट में एक खाई में धकेलना, अपने परिवार का सामना करने और सगाई तोड़ने से ज़्यादा आसान था। पुलिस ने कहा कि वे चल रही जांच के हिस्से के तौर पर बयान को वेरिफाई कर रहे हैं।

केतन | सिया | चेतन

### सिया के माता-पिता और भाई से पूछताछ

महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे के 25-वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले में सह-आरोपी सिया गोयल के माता-पिता और भाई को पूछताछ के लिए शनिवार को लोनावला (ग्रामीण) थाने तलब किया। सिया के माता-पिता (प्रवीण और पूजा गोयल) तथा उसके भाई साहिल शनिवार सुबह पुलिस थाने पहुंचे। इससे पहले पुलिस ने शुक्रवार को साहिल से 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी, जिसके बाद शाम को उसे जाने की अनुमति दे दी गई।

### 31 मई से चल रही थी प्लानिंग

पुलिस ने कहा कि आरोपी ने आखिरकार कामयाब होने से पहले कई कोशिशें कीं। 31 मई को सिया गोयल कथित तौर पर केतन अग्रवाल के साथ लोहागढ़ किले गई और विंचू काटा रिज के पास एक सुनसान जगह की पहचान की, जहां क्राइम किया जा सकता था। 4 जून के लिए एक और ट्रिप प्लान किया गया था लेकिन केतन अग्रवाल की मां के एतराज करने के बाद कैंसल कर दिया गया। ▶▶| शेष पेज 6 पर

RCP INFRATECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

VIP Familia

3 BHK
STARTS FROM 1694 SQFT (157.43 SQMT)
2 BHK
STARTS FROM 1444 SQFT (134.2 SQMT)
AND
COMMERCIAL SHOPS

@ ~~2699/-~~ PER SQFT.
@ ~~3000/-~~ PER SQFT.
@ 3300/- PER SQFT.

ONLY 10 SPECIFIC FLATS

STARTS FROM TODAY : 11 AM - 28-06-2026

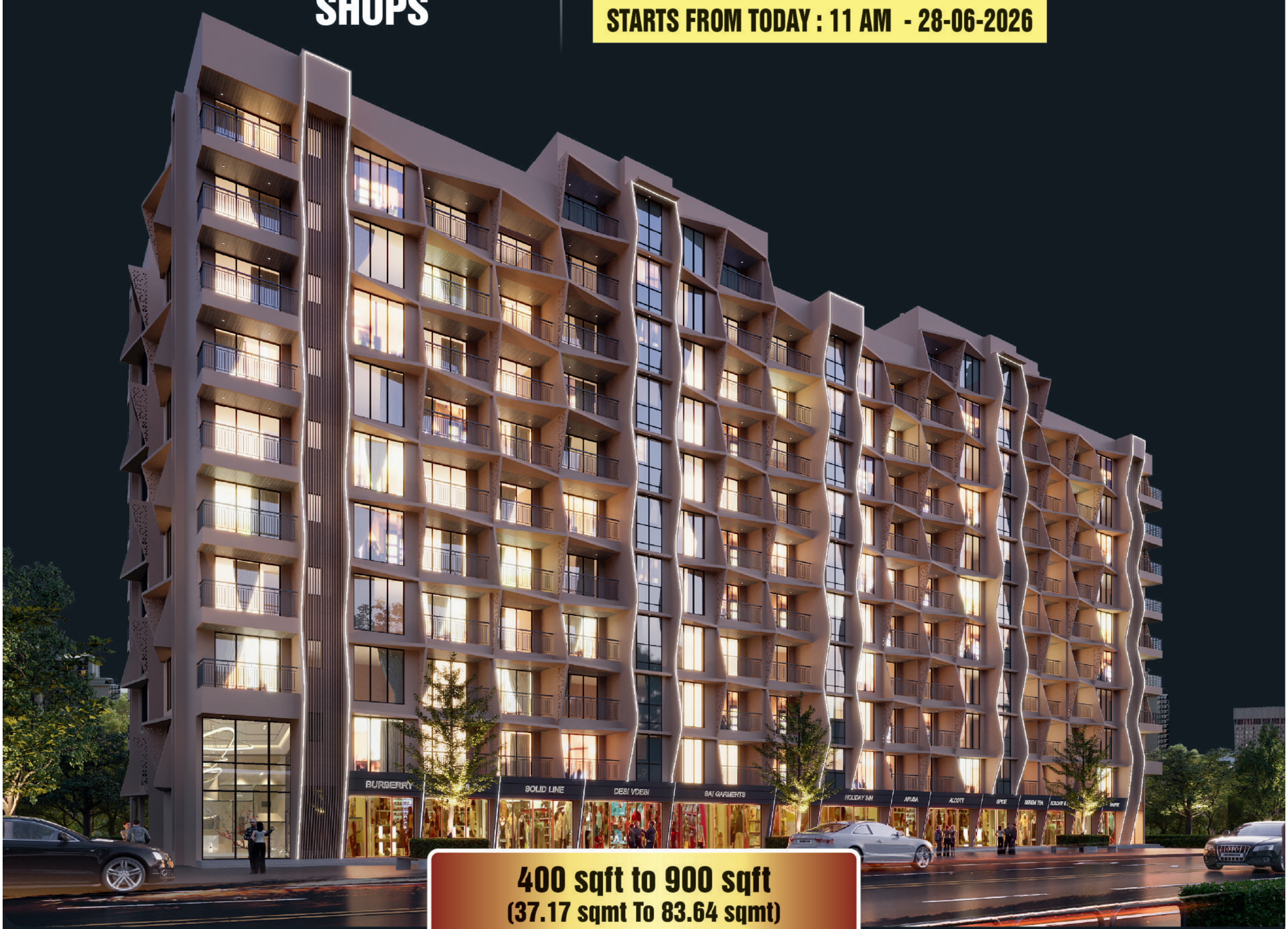


400 sqft to 900 sqft
(37.17 sqmt To 83.64 sqmt)
Commercial Shops & Offices

CALL-812 000 8290

Also known as VIP FAMILY HEIGHTS
Member of : CREDAI CHHATTISGARH
Rera Registered Project :
(VIP Familia) RERA NO.: PCGRERA160524001777
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP INFRATECH PVT. LTD.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.)
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps
Follow us on :
@VIPCITYRPR

फायनेंस उपलब्ध
Central Bank of India
LIC HFL
HDFC HOME LOANS
SBI

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

बेफिक्र बच्चे


# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


गमगीन बुजुर्ग

बेफिक्र बच्चे, चिंतित युवा और बुजुर्ग, बेदखली के डर से नहीं जले चूल्हे

# विधायकों के लिए उजड़ रही 77 परिवारों की दुनिया, 48 घंटे का नोटिस, चौपाल पर चिंता और बच्चों की बेफिक्र मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

राजधानी से लगे नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए 77 परिवारों को 48 घंटे के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस मिला है। प्रशासन इसे राजस्व भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं, कई के पास सरकारी योजनाओं के तहत बने मकान हैं और पीढ़ियां यहीं बड़ी हुई हैं। कानूनी लड़ाई अपनी जगह है, लेकिन गांव में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि घर टूटे तो इन परिवारों की अगली सुबह कहां होगी? प्रशासन का कहना है कि जमीन सरकारी है, उस ▶▶|शेष पेज 6 पर

### गमगीन युवा, चिंतित बुजुर्ग

कुछ दूर घरों के बाहर बैठे युवा नजर आए। उनके बीच बातचीत कम और चिंता ज्यादा है। उनके सामने रोजी-रोटी, परिवार और भविष्य के सवाल हैं। कोई मोबाइल पर दस्तावेज देख रहा है, कोई राजस्व रिकॉर्ड की चर्चा कर रहा है। गांव के बुजुर्गों के चेहरे सबसे ज्यादा बेचैन दिखाई देते हैं। जिन हाथों ने दशकों पहले यहां घर बसाए थे, वे अब उसी जमीन से बिछड़ने की आशंका में खामोश बैठे हैं।

चिंतित युवा

### बृजमोहन बोले- बिना पुनर्वास किसी को नहीं करेंगे बेघर

प्रभावित ग्रामीणों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से भेंट की। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा दी गई नोटिस और उसके बाद उत्पन्न स्थिति से सांसद को अवगत कराया। इस गंभीर विषय पर चर्चा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित कार्यों के लिए किसी ▶▶|शेष पेज 6 पर

### विधायक कॉलोनी के लिए चुनी गई जमीन

नकटी गांव की भौगोलिक स्थिति इसे महत्वपूर्ण बनाती है। यह क्षेत्र एयरपोर्ट, पुराना रायपुर और नवा रायपुर के बीच संपर्क का प्रमुख बिंदु है। इसी वजह से यहां विधायक कॉलोनी विकसित करने का प्रस्ताव है। ग्रामीणों का तर्क है कि नवा रायपुर में सरकार के पास पहले से पर्याप्त भूमि और कई खाली भूखंड उपलब्ध हैं। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों के लिए आवासीय परिसर विकसित करना है तो उसके लिए ऐसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे वर्षों से बसे परिवारों को विस्थापन का सामना न करना पड़े।

### चूल्हे नहीं जले, चौपाल पर बीता दिन

नोटिस मिलने के बाद गांव का माहौल पूरी तरह बदल गया है। कई परिवारों में शनिवार को चूल्हे तक नहीं जले। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सुबह से चौपाल पर जुटे रहे। लोगों को आशंका थी कि कहीं नोटिस के अगले ही दिन कार्रवाई शुरू न हो जाए। दोपहर बाद ▶▶|शेष पेज 6 पर


inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### आरोग्य सेतु ऐप का नया संस्करण कल

**नई दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा सोमवार को पुनर्निर्मित आरोग्य सेतु ऐप की शुरुआत करेंगे। यह ऐप मूल रूप से कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के लिए शुरू किया गया था। अब यह व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी को संपूर्ण रूप से प्रबंधित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

### लॉज-कोचिंग सेंटर समेत 4 संस्थान सील

**बिलासपुर।** जिला प्रशासन की ओर से फायर सेफ्टी मानकों की जांच के लिए गठित की गई संयुक्त टीम द्वारा शनिवार को एक के बाद एक शहर के कई संस्थानों में ताबड़तोड़ जांच और कार्रवाई की गई। यह संयुक्त टीम सबसे पहले मंगला चौक से उसलापुर क्षेत्र तक स्थित दिल्ली आईएएस कोचिंग, शारदा लाइब्रेरी, ऑफिसर्स लाइब्रेरी, बिलासा लाइब्रेरी, शिवाय लाइब्रेरी, उड़ान आईएएस, 24x7 लाइब्रेरी एवं भारतीय कृषि कोचिंग इंस्टीट्यूट में जांच की गई। करीब पांच घंटे तक जांच व कार्रवाई चली।

### गुलमर्ग में विस्फोट एक की मौत

**गुलमर्ग।** उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग के फॉरवर्ड एरिया में आशा पोस्ट के पास आज एक विस्फोट होने की घटना सामने आई। इस हादसे में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। यह शेल कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इलाके में गिरा हुआ था, जो आज अचानक फट गया।

सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी

## दुनिया के सबसे बुजुर्ग कछुए से मिले मोदी

एजेंसी ▶▶| विक्टोरिया (सेशेल्स)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ सेशेल्स राष्ट्रीय वनस्पति उद्यान में दुनिया के सबसे अधिक उम्र वाले जीवित स्थलीय जीव 'जोनाथन' से मिले। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ पौधरोपण समारोह में भी हिस्सा लिया जो जैव-विविधता संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### बुलाने पर आता है जोनाथन

जोनाथन सेशेल्स जायंट टॉर्टाइज प्रजाति का कछुआ है। वह सुन सकता है और सैलानियों की आवाज सुनकर उनकी ओर आने की कोशिश भी करता है। इस प्रजाति की औसत उम्र करीब 150 साल होती है।

### अंग्रेजों के जमाने का 'जोनाथन'

बता दें, जोनाथन अल्डाब्रा जायंट कछुआ है। उसकी उम्र करीब 194 साल बताई जाती है। यह विशाल कछुआ उप-प्रजाति का जोनाथन जेम्सटाउन स्थित नेशनल बोटैनिकल गार्डेन में रहता है। माना जाता है कि उसका जन्म 1832 के आसपास हुआ था, हालांकि की इसके बारे में कोई स्टीक जानकारी नहीं है।

राम मंदिर चढ़ावा गबन : ट्रस्ट की अहम बैठक 11 जुलाई को, चंपत की जगह कौन, होगा फैसला

# राम मंदिर में तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर अब सीईओ की नियुक्ति!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

**श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कौन लेगा? यह सवाल उठने लगा है। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई को बुलाई गई है। इस बैठक में कई अहम फैसले होंगे। तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर व्यवस्था को लागू किए जाने की चर्चा चल रही है। सीईओ की नियुक्ति से मंदिर में आने वाले पैसों और दान की राशि का उचित प्रबंधन किया जाएगा।**

हरिभूमि फॉलोअप

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने एक बयान में कहा गया है कि मंदिर ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस मामले में निर्णय लेगा। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर दान के गबन से जुड़े विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ट्रस्ट के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद, जिसके राय उपाध्यक्ष हैं, ने भी इस खबर की पुष्टि की। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने राय और अन्य ट्रस्टी अनिल मिश्रा, दोनों के इस्तीफे के बारे में गिरि का पत्र पोस्ट किया, हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस्तीफों पर फैसला ▶▶|शेष पेज 6 पर

### अनिल की जगह कृष्ण मोहन की चर्चा

अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद चर्चाएं तेज हो गईं कि उनकी जगह कृष्ण मोहन ले सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि डॉ अनिल मिश्रा के इस्तीफे बाद उनका दायित्व कृष्ण मोहन को सौंपे जाने की सुगबुगाहट तेज है। चढ़ावे चोरी मामले में आरोपियों पर एफआईआर में वादी बनने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण गोपाल का नाम सुर्खियों में आ गया। गुरुवार देर शाम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर उनके इतिहास को खोजा जाने लगा। इतनी प्रसिद्धि उन्हें ट्रस्ट का सदस्य बनते समय नहीं मिली थी।

एसआईटी जांच में कई गंभीर खामियां सामने आईं

### चांदी की ईंटें और आभूषण सुरक्षित

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा कि हम उन भक्तों को आश्वस्त करते हैं, जिन्होंने चांदी की ईंटें और सोने-चांदी के आभूषण प्रभु श्रीराम की सेवा में अर्पण किए हैं। वे सभी वस्तुएं सुरक्षित हैं। हम विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति न बने, ऐसा सुनिश्चित करेंगे। अपराधियों को कड़ा दंड मिले, इसका आग्रह करेंगे।

### आरोपियों की संपत्ति जब्त कर चैरिटी में दी जाए : सोनू सूद

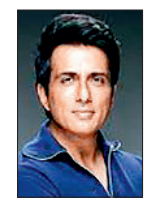

**भिलाई।** अयोध्या के राम मंदिर में दान और चढ़ावे में कथित हेरफेर के मामले पर अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने कहा है कि श्रद्धालु अपनी आस्था, मेहनत की कमाई, बचत और वेतन का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित करते हैं। यदि कोई व्यक्ति उस धन का दुरुपयोग करता है तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं और विश्वास के साथ विश्वासघात है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि जांच में कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसकी संपत्ति जब्त कर उसे मंदिर की चैरिटी, जनसेवा और जरूरतमंदों की मदद के कार्यों में लगाया जाना चाहिए। भिलाई में आयोजित सूद चैरिटी फाउंडेशन के एनुअल मीट कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सोनू सूद ने पत्रकारों से चर्चा में यह बातें कही।

# हीरा खनन की तैयारी, बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में बड़े व्यास की ड्रिलिंग को एनसीएल बोर्ड की मंजूरी

*हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन किया जाएगा*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज ▶▶|शेष पेज 6 पर

### छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक : सौरभ

बैठक में यह भी दोहराया गया कि सभी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष निदेशक सौरभ सिंह ने कहा, खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

### बहु-खनिज विकास की दिशा आगे बढ़ी

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके ▶▶|शेष पेज 6 पर

वेनेजुएला के बाद कई देशों में डोली धरती

# अफगानिस्तान में भूकंप, दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में झटके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से अत्यधिक गहराई में होने के कारण इसके झटके पाकिस्तान, भारत के उत्तरी हिस्से, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान समेत कई देशों में महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

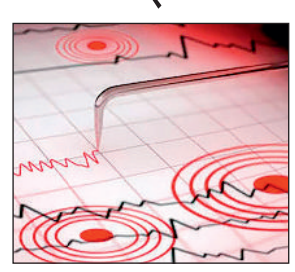

### घर-दफ्तर से बाहर आए लोग

जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके महसूस हुए और लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर सड़कों और खुली जगहों की ओर भागे। जम्मू-कश्मीर भी भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील है। यहां समय-समय पर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंपीय झटके महसूस होते रहते हैं।

### हिमाचल में पहले आया था भूकंप

इससे पहले, भारत के हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भी 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भारतीय समयानुसार सुबह 11:38 बजे आए इस भूकंप की गहराई धरती की सतह से महज 5 किलोमीटर की गहराई में थी। इसका केंद्र धर्मशाला से करीब 22 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में, भूकंपीय रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में स्थित था।

**हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा।** ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

**विश्लेषण**

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

**विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।**

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

**खास बातें**

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

## नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मुनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

## दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

## जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

## अवैध निर्माण वैध करना गलत

जुर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

# शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

**हादसा**

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं- यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है ।देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

**देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।**

# भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

**विरोधाभास**

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारी के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे होते हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड़ांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाणन का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिरामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाते समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी विशेषता बना रहे हैं-'उत्तर मुखी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माण को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्नि निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान घिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाना होगा।

भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्जवल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

**आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।**

# बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

**व्यवस्था**

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

**हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो**

## वेनेजुएला में भूकंप के फिर लगे झटके

# 51 हजार से ज्यादा लापता, अब तक 920 मौतें, 3300 घायल

*कराकस। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में लगातार आफत जारी है। 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।*

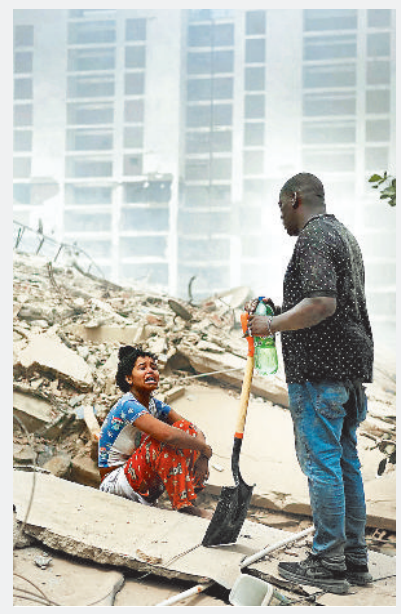

### अगले 72 घंटे हैं अहम

राहत और बचावकर्मियों द्वारा युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इन्होंने बताया कि मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए 42 से 72 घंटे बहुत अहम होते हैं। इस आपदा के बाद वेनेजुएला में अंतरराष्ट्रीय राहत और बचाव दल भी पहुंचना शुरू हो गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

## खबर संक्षेप

### गाजा पर मोदी सरकार क्यों है चुप : सोनिया

**नई दिल्ली।** कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने गाजा के मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार की 'निरंतर चुप्पी' पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि भारत को फलस्तीनियों के समर्थन में स्पष्ट और मुखर रुख अपनाना चाहिए तथा गाजा और वेस्ट बैंक में हो रही घटनाओं पर वैश्विक जनमत के अनुरूप प्रतिक्रिया देनी चाहिए। गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक के लिये लिखे लेख में संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि गाजा में बच्चों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और वहां की मानवीय स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है।

### स्टालिन को लगा झटका एमडीएमके ने छोड़ा साथ

**चेन्नई।** तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में स्टालिन की डीएमके को एक और झटका लगा है। एमडीएमके ने औपचारिक रूप से डीएमके के साथ अपना नौ साल पुराना गठबंधन समाप्त कर दिया है। हालांकि उसने सत्तारूढ़ टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह निर्णय पार्टी की आम सभा की बैठक में लिया गया। अपने प्रस्तावों में एमडीएमके ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की सरकार का स्वागत किया और उससे प्रमुख चुनावी वादों पर अडिग रहने का आग्रह किया। जिसमें भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन बनाए रखना और मेकेदातु बांध परियोजना जैसे मुद्दों पर तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा करना शामिल है। प्रस्तावों में टीवीके गठबंधन में शामिल होने का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया।

## मिडिल ईस्ट में तनाव, ईरान ने भी किया बहरीन पर अटैक

# युद्धविराम पर फिर मंडराया संकट, अमेरिका ने ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों पर किए हमले

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान पर शुक्रवार को करीब एक घंटे तक हमले किए। इस दौरान अमेरिकी सेना ने उसके मिसाइल और ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा है और इसलिए उस ये जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिका ने यह कार्रवाई तब की है, जब तेहरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक कमर्शियल कार्गो शिप पर हमला किया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में एक नाजुक समझौता हुआ था और इस हमले के बाद दोनों के बीच फिर से तनाव दिख रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'हिंसा का जवाब हिंसा से मिलेगा।' जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरान ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और अमेरिका ने उसका पूरी तरह सम्मान किया। अगर समझौते (एमओयू) को लेकर किसी तरह का विवाद है तो बातचीत का रास्ता अपनाया जाना चाहिए, लेकिन अगर हिंसा का सहारा लिया गया तो उसका जवाब भी उसी भाषा में दिया जाएगा। वेंस ने कहा, 'अगर किसी बात से दिक्कत है तो आपके पास फोन है। लेकिन अगर हिंसा करोगे तो हिंसा का जवाब हिंसा से ही मिलेगा।'

*अमेरिका और ईरान के बीच जंग की चिंगारी फिर भड़कने लगी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे कार्गो शिप पर ईरानी हमले से ट्रंप प्रशासन बौखला गया है। ताजा कार्रवाई में अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया। इधर, अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने भी शनिवार को बहरीन में ड्रोन अटैक और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला किया।*

### अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमला

अमेरिकी हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी अमेरिकी हमलों का जवाब देते हुए इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर अटैक किया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी ठिकानों पर ये हमले तब हुए जब आईआरजीसीने वॉशिंगटन को धमकी दी कि पहले हुए हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा और तेहरान इसका निर्णायक जवाब देगा।

**ट्रंप ने होर्मुज में कार्गो शिप पर हमले के जवाब में किया पलटवार**

### स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर दुनिया फिर चिंतित

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बिजी समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक है। यहां पर इन दोनों देशों में एक बार फिर सीजफायर खत्म होते देख दुनिया की चिंता बढ़ना स्वभाविक है। यहां से दुनिया के बड़े हिस्से को कच्चे तेल और गैस की सप्लाई होती है। इस क्षेत्र से सप्लाई सामान्य होने पर जीवाश्म ईंधन की कीमतें भी सामान्य रहती हैं लेकिन यह मार्ग डिस्टर्ब होने से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था और तेल की कीमतें प्रभावित होती है। दुनिया की कुल मांग का 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते से पास होता है।

### ईरान ने बनाया बहरीन पर निशाना

*अमेरिका द्वारा किए गए रातभर के हवाई हमलों के बाद ईरान ने शनिवार को बहरीन को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमला किया, जबकि दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर भी हमला हुआ। बहरीन पर ईरान का हमला संयोग नहीं माना जा रहा है। बहरीन ईरान के सबसे मुखर आलोचकों में से एक है और वहां अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय भी स्थित है। हाल ही में बहरीन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी की थी, जहां खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी।*

## हैदराबाद में ट्रंप के नाम पर सड़क, भारत आएंगे अमेरिका के राष्ट्रपति!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के संबंधों में उतार चढ़ाव के बीच तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर एक सड़क का नाम रखा गया है। अपने नाम पर सड़क बनाए जाने को ट्रंप ने अनोखा पल बताया है और इसके लिए लिए भारत का आभार जताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उद्घाटन समारोह की तस्वीर शेयर करते हुए इसे अभूतपूर्व सम्मान बताया। बता दें, कुछ दिन पहले तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास वाली सड़क का नाम बदलकर 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा है। सरकार का कहना है कि इसका मुख्य उद्देश्य भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूत करने में हैदराबाद की भूमिका को आगे लाना है।

### यहां पर है यह सड़क

यह सड़क नानकरामगुड़ा के फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, जहां कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय टेक कंपनियों के दफ्तर भी काम कर रहे हैं। इस सड़क के नाम की पट्टी (नेमप्लेट) का उद्घाटन इसी हफ्ते एक कार्यक्रम में किया गया था। इस मौके पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर सहित तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल, यह पूरा आयोजन अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के जश्न से जुड़ा था।

## 15 साल पुरानी कार में सेफ्टी सिस्टम अचानक हुआ एक्टिव

# खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

**ठाणे।** महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के युवक मौत हो गई। युवक एक कार डीलर था। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया।

एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से युवक को गंभीर चोटें आईं और मेडिकल मदद मिलने से पहले ही ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

### एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज

ठाणे पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि कार भले ही पुरानी थी, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उसके पास वैलिड फिटनेस सर्टिफिकेट था। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच के लिए ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स से भी सलाह ले रही है। एयरबैग खुलने की स्पीड 200 से 300 किमी/घंटा के बीच हो सकती है। इस वजह से तेज झटका लगता है। इससे बचने के लिए सीट बेल्ट लगाना जरूरी होता है। सीट बेल्ट ना लगाने की स्थिति में जोरदार झटका लगने से गंभीर चोट लग सकती है या मौत भी हो सकती है।

## नीट का 1 सवाल ड्रॉप, 20 लाख छात्रों को मिलेंगे 4 बोनस अंक

**नई दिल्ली।** नीट यूजी2026री-एग्जाम का रिजल्ट आने से पहले ही उम्मीदवारों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को हुए री-एग्जाम की प्रोविजनल आंसर-की जारी की गई है, जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को 'ड्रॉप' (हटाया) गया है।

ड्रॉप किए गए इस सवाल के लिए सभी छात्रों को पूरे 4 बोनस नंबर (+4) दिए जाएंगे, भले ही किसी उम्मीदवार ने उस सवाल को हल किया हो या नहीं किया हो। 20 लाख उम्मीदवारों ने री-एग्जाम दिया है और इन सभी को अपने फाइनल रिजल्ट से पहले एक सवाल के नंबर पता चल गए हैं। इसके अलावा फिजिक्स के ही एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए हैं। जिन- जिन कैंडिडेट्स ने उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा।

### एक सवाल ड्रॉप होने के बाद 20 लाख कैंडिडेट्स 4 बोनस अंक

नीट एग्जाम 2026 फाइनल आंसर-की आने के बाद यह साफ होगा कि क्या कोई और सवाल ड्रॉप किया गया है। नीट पेपर एक ही शिफ्ट में हुआ है तो सभी 20 लाख को 4 बोनस अंक मिलेंगे। फिजिक्स के साथ- साथ केमिस्ट्री और बायोलजी में भी एक या दो सवाल के गलत होने की आशंका जताई जा रही है।

## मुहर्रम जुलूस में 14,900 जहरीले कैप्सूल बांटने पहुंचा, गिरफ्तार

**मुंबई।** मुंबई ने एक शख्स को चूहे मारने वाले जहर से भरे 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति बायकुला के मुहर्रम जुलूस में कैप्सूल बांटने के लिए घूम रहा था। वह लोगों को बता रहा था कि यह हर

प्रकार के दर्द को जड़ से खत्म करने की दवा है। इसी जुलूस में एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। पूछताछ में शख्स ने बताया कि उसने एक व्यक्ति से कैप्सूल लेकर खाया था। इसके बाद पुलिस ने उस संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
विज्ञापन संख्या : R/05/2026 दिनांक 10 जून 2026
संस्थान निम्ननिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से **ऑनलाईन आवेदन** आमंत्रित करता है।
**(i) पेशेवर प्रशिक्षु (वित्त एवं लेखा) - 10 पद**
शैक्षिक योग्यता, आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए
http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions पर जाएं।
cbc21255/11/0003/2627
कुलसचिव / Registrar

# मन-जीवन को कर रहा अशांत सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

**स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून**

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

## बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

## गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

## खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

### सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

# अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

अचीवमेंट
संजय श्रीवास्तव

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

**गैलेक्सआई ने रचा इतिहास:** जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

**बहुपयोगी है इसकी तकनीक:** गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

**कई और कंपनियां भी हैं एक्टिव:** गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

**हो रहा वैश्विक प्रसार:** देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

# शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी

# संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

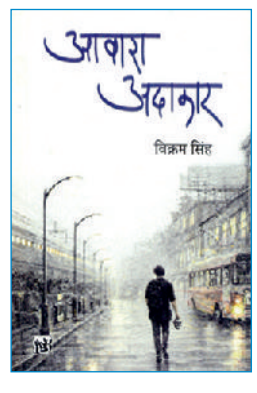


**पुस्तक:** आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखक:** विक्रम सिंह, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

## तरकश

संजय के दीक्षित

### निलंबन और पनिशमेंट का महीना!

विधानसभा के मानसून सत्र और मंत्रिमंडल की सर्जरी की दृष्टि से जुलाई महीना छत्तीसगढ़ के लिए खासा महत्वपूर्ण रहेगा, तो कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए काफी संवेदनशील भी। संवेदनशील मतलब खतरा भरा। दरअसल, जुलाई में सीएम हेल्पलाइन का रिव्यू किया जाना है। हेल्पलाइन का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। लोग लगातार अपनी बातें फोन कॉल के जरिये रख रहे हैं। शिकायतों के संबंध में आवेदकों को प्रॉपर रिप्लाई कर उनसे पेपर भी मंगाए जा रहे हैं। याने कंप्लेन को सिर्फ दर्ज कर छोड़ नहीं दिया जा रहा, बल्कि संपर्क कर साक्ष्य जुटाए जा रहे। सीएम सचिवालय खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहा। यह एक्सरसाइज इसलिए किया जा रहा कि सीएम हेल्पलाइन की वाजिब शिकायतों पर सरकार ने बड़ी कार्रवाई करने की मनःस्थिति बना ली है। खासकर, करप्शन और लापरवाही के मामलों में। जाहिर है, जुलाई महीना कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए निलंबन और पनिशमेंट वाला रहेगा। सरकार चाहती है कि लोगों में सीएम हेल्पलाइन का भय हो। सही भी है...एमपी, बिहार, यूपी, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों ने काफी पहले हेल्पलाइन बना लिया था और उन्हें इसका फायदा मिला।

### मंत्रियों का दिल्ली प्रवास

विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल का फेरबदल मुमकिन प्रतीत नहीं हो रहा। वैसे भी पहले मोदी कैबिनेट में बदलाव होना है। उसके बाद ही राज्यों का नंबर आएगा। हालांकि, सर्जरी के लिए एक्सरसाइज प्रारंभ हो चुका है। मंत्री, विधायकों का दिल्ली जाना जारी है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा और हेल्थ मिनिस्टर श्यामबिहारी जायसवाल इस हफ्ते दिल्ली गए तो उसके अगले दिन पूर्व मंत्री लता उसेंडी दिल्ली में थी। 29 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव दिल्ली जा रहे हैं। बताते हैं, संघ कार्यालय से उन्हें बुलावा है। जाहिर है, लता उसेंडी का नाम मंत्री बनने वालों की चर्चाओं में सबसे उपर है, तो यूपी चुनाव को देखते गजेंद्र यादव का भी कद बढ़ाया जा सकता है। गजेंद्र को एकाध और विभाग मिल सकता है। वैसे इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि किसी डिप्टी सीएम का विकेट अगर गिरा तो फिर गजेंद्र का प्रमोशन भी हो जाए...आखिर राजनीति मुकद्दर का खेल तो है।

### माननीयों के स्टाफ और नया ठीहा

वैसे विष्णुदेव कैबिनेट में पांच मंत्रियों के बदले जाने की चर्चाएं चल रही हैं। मगर बीजेपी का कोई भरोसा नहीं, संख्या इससे उपर भी जा सकती है। बहरहाल, जिन पांच मंत्रियों की विदाई की अटकलें तेज हैं, उनके घरों और आसपास के लोगों में माहौल भारी हो गया है। असल में, पांच मंत्रियों के खिलाफ परसेप्शन इतना गहरा है कि सोशल मीडिया में लोग खुलेआम ऐलान कर रहे हैं, फलां-फलां मंत्री...। और लोग उस पर ऐतबार भी कर ले रहे, क्योंकि रिपोर्ट कार्ड ही उनका ऐसा है...ढाई साल उन्होंने सिर्फ अपने लिए काम किया। खैर, इन मंत्रियों के पीए, स्टॉफ, कारोबारी और समर्थक अपने अगले ठीहे की संभावनाएं तलाशने में लग गए हैं।

### जुगाड़ का डिप्टी कमिश्नर

जुगाड़ की माया देखिए...कुछ बरस पहले छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड में राजस्थान का एक व्यक्ति पर्यटन अधिकारी बना। इसमें अधिकारी जरूर जुड़ा है, मगर वास्तव में यह क्लास थ्री का पद होता है। खैर, कुछ दिनों बाद उन्होंने जोर-जुगाड़ लगाकर रायपुर से दिल्ली के सूचना केंद्र में पोस्टिंग करा ली। और, उसके बाद अब प्रतिनियुक्ति पर रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस में डिप्टी कमिश्नर बन बैठे। दरअसल, रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह ने इस बात को आधार बनाकर नोटशीट भेजा कि फलां पर्यटन अधिकारी का वेतन डिप्टी कमिश्नर के समतुल्य हो गया है और जीएडी से उस पर मुहर लग गई। जबकि, रायपुर में उनके सारे बैचमेट 18 साल बाद भी पर्यटन अधिकारी से उपर नहीं पाए हैं। जाहिर है, बाबू के सीनियर हो जाने पर उसकी भी तनख्वाह असिस्टेंट कलेक्टर के बराबर हो जाती है तो क्या उसे असिस्टेंट कलेक्टर बना दिया जाएगा। बहरहाल, इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि दिल्ली का रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस बाकी राज्यों की तरह स्ट्रांग होना चाहिए, न कि बाबू कैडर के लोगों को वहां बिठा दिया जाए।

### कमरा नंबर 109 का रहस्य

2016 में दिल्ली में जब छत्तीसगढ़ सदन बना, तब नियम बना था कि उसमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों के अलावा और किसी को कमरा नहीं मिलेगा। विधायकों, सांसदों को भी नहीं। मगर छत्तीसगढ़ के एक मंत्री के कथित पीए ने करीब साल भर से सदन में कमरा नंबर 109 हथिया रखे हैं। अब आप पूछेंगे, कथित पीए क्यों? कथित इसलिए कि किसी मंत्री को दिल्ली में काम करने के लिए पीए नहीं मिलता। वास्तव में पीए होते तो वे मंत्री के साथ छत्तीसगढ़ में रहते। किसी और मंत्री का पीए तो दिल्ली में नहीं रहता। यहां तक कि किसी मुख्यमंत्री के पीए की भी पोस्टिंग दिल्ली में नहीं होती। फिर कमरा नंबर 109 का रहस्य क्या है? स्टेट के इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट को इसे नोटिस में लेना चाहिए...पता यह भी लगाना चाहिए कि रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस के किस मुलाजिम का मोदी विरोधी नेता से सीधा कनेक्शन हैं।

### पोस्टिंग के लिए 10 पेटी

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले में चल रही तीन-पांच की चर्चाओं को देखते सरकार ने ट्रांसफर लिस्ट रोक दी थी। मगर इसके भीतर की जो बातें निकल कर कर आ रहीं, वो हैरान करने वाली हैं। किसी ने बताया कि एक राप्रसे अधिकारी ने सिर्फ जिले में जाने के लिए एक बड़े बिचौलिये को 10 पेटी दे डाला। हालांकि, इस पर सहसा यकीं नहीं होगा...आखिर वो 10 पेटी निकालेगा कैसे? जवाब मिला, वो डेढ़-दो महीने में निकाल लेगा। वो वैसा ही करेगा, जैसा आजकल जिलों में हो रहा। बहरहाल, कई लोगों का पैसा डूबता लग रहा है। जिन बिचौलियों ने पैसा लिया है, वे पिछले तीन महीने से दिलासा दे रहे हैं, बस लिस्ट निकलने ही वाली है। मगर सरकार टस-से-मस नहीं हो रही।

### पोस्टिंग और किस्मत

बस्तर आईजी के लिए 2004 बैच के दो आईपीएस अफसरों के नामों की बड़ी चर्चा थी। मगर आखिरकार पोस्टिंग मिल बद्री नारायण मीणा को। बद्री वैसे शुरू से पोस्टिंग को लेकर काफी किस्मती रहे हैं। छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक नौ जिलों के पुलिस अधीक्षक रहने का रिकार्ड उन्हीं के नाम है, तो एक साथ दो पुलिस रेंज के आईजी रहने वाले वे सूबे के पहले आईपीएस अधिकारी हैं। बद्री छत्तीसगढ़ के चुनिंदा आईएएस, आईपीएस अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें सरकार बदलने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। रमन सरकार में वे सात जिलों के एसपी रहे तो भूपेश सरकार में दो जिलों के एसपी और तीन रेंज के आईजी बनने का उन्हें मौका मिला। वे दुर्ग में एसपी रहे और वहीं प्रमोट होकर आईजी बन गए। फिर बिलासपुर के आईजी बने और वहां से फिर दुर्ग आए और दुर्ग के साथ-साथ रायपुर के भी आईजी। ऐसा पोर्टफोलियो पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा का भी नहीं रहा। जुनेजा पुलिस महकमे के सबसे किस्मती पुलिस अधिकारी माने जाते थे। सरकार किसी की भी रही, वे कभी लूप लाईन की पोस्टिंग नहीं की। रमन सरकार के दौरान इंटेलिजेंस चीफ होने के बाद भी वे भूपेश बघेल सरकार में डीजीपी बने और विष्णुदेव साय सरकार में तमाम विरोधों के बाद भी न केवल उन्होंने कंटिन्यू किया, बल्कि छह महीने का एक्सटेंशन भी मिल गया।

### आईएफएस की छुट्टी

आईएएस ऋचा शर्मा के एसीएस फॉरेस्ट रहने के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने आईएफएस अधिकारियों की छुट्टी समेत कुछ फाइलें अपने अधिकार में ले लिए थे। दरअसल, ऋचा के फॉरेस्ट में रहने के समय आईएफएस अधिकारियों को छुट्टी लेना आसान नहीं था। सख्त आईएएस अफसर माने जाने वाली ऋचा शर्मा काफी किंतु-परंतु, क्वेरी के बाद अवकाश स्वीकृत करती थी। लिहाजा, वन मंत्री ने अफसरों की छुट्टी का अधिकार अपने पास रख लिया था। अब ऋचा शर्मा फॉरेस्ट से हट गई हैं तो वन मंत्री ने नए एसीएस फॉरेस्ट मनोज पिंगुआ को आईएफएस अधिकारियों के छुट्टियों के अधिकार दे दिए हैं।

### सीएस की SOM मीटिंग

विकास शील के चीफ सिकरेट्री बनने के बाद दो-से-तीन हफ्ते के बीच एक सीनियर ऑफिसर्स मीटिंग (SOM) होती है, जिसे अफसरों के बीच SOM मीटिंग कहा जाता है। इसमें सभी विभागों के सिकेट्री शामिल होते हैं। इस मीटिंग को लेकर सचिवों में काफी तनाव रहता है...सीएस न जाने क्या पूछ दें, कब टोक दें। छत्तीसगढ़ बनने के बाद इस तरह की मीटिंग पहली बार हो रही। इसमें लोक सेवा गारंटी से लेकर ई-ऑफिस जैसे तमाम प्वाइंट होते हैं, सीएस जिसका फॉलोअप लेते हैं। एक तरह से कहा जाए तो ये जस्ट रिमाइंडर जैसी बैठक होती है, जिसमें सीएस जो टास्क दिए रहते हैं, उसका रिव्यू करते हैं। सोम मीटिंग के फेर में सिकेट्री लोगों को थोड़ा अलर्ट रहना पड़ता। इससे मंत्रालय की वर्किंग स्मूथ हुई है। फिर चीफ सिकेट्री का भय तो है ही, वे बोलने और टोकने में गुरेज नहीं करते।

### चतुर मंत्री और आईडिया

सुनिल कुमार जब चीफ सिकरेट्री थे, तब समन्वय से ट्रांसफर या अफसरों का डेपुटेशन कराना काफी कठिन था। मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह या उनके सचिवालय से कोई मैसेज आ जाए तो बात अलग है वरना, वे नोटशीट पर इतना तगड़ा नोट लिख देते थे कि फिर फाइल को डंप करने के अलावा कोई चारा नहीं बचता था। उस समय होशियार मंत्री या अफसर कई बार सीधे मुख्यमंत्री से नोटशीट पर लिखवा लेते थे। अब मुख्यमंत्री ने अगर ओके कर दिया तो फिर चीफ सिकेट्री को उसे अनुमोदन देना ही पड़ेगा। फिर सुनिल कुमार भी कुछ नहीं कर पाते थे। वर्तमान चीफ सिकेट्री विकास शील के दौर में भी अब चीजें उतनी आसान नहीं। विभिन्न विभागों से आए उंच-नीच वाले प्रस्तावों पर वे ब्रेक लगाने का प्रयास करते हैं। बताते हैं, स्कूल शिक्षा विभाग के जंबो ट्रांसफर के प्रपोजल पर भी उन्होंने ब्रेक लगाया।

### मंत्री का अधिकार सर्वोच्च

वन मंत्री केदार कश्यप ने आईएफएस अधिकारियों के अवकाश का अधिकार अपने पास रख लिया था, इस प्रसंग से सवाल उठता है, क्या कोई मंत्री ऐसा कर सकता है। बता दें, संविधान में मुख्यमंत्री को सरकार माना गया है...मंत्रियों के सारे अधिकार मुख्यमंत्री में निहित होते हैं। मुख्यमंत्री सरकार के कामकाज में सुविधा के लिए मंत्री बनाते हैं मगर वे चाहे तो किसी भी मंत्री के आदेश को पलट सकते हैं। उसी तरह सचिवों के सारे अधिकार मंत्री में समाहित होते हैं। मंत्री चाहे तो कोई भी फाइल मंगा सकता है, सचिव के नोट को बदल सकता है। ये अलग बात है कि यदि कोई गलत चीज होगी तो उसके लिए मंत्री ही जिम्मेदार होंगे। मगर सत्ता मंत्रियों की ही सर्वोच्च होती है। अब वो अलग बात है कि कई बार घुड़सवार कमजोर होता है, तो घोड़ा लगता है नचाने, वही स्थिति मंत्री और अफसर की होती है।

### कलेक्टर, एसपी पर कसावट?

मुख्य सचिव विकास शील ने मंत्रालय और डायरेक्ट्रेट के अफसरों को काफी कस दिया है। मंत्रालय में 90 परसेंट अफसर अब 10 बजे पहुंच जाते हैं, तो मीटिंग, रिव्यू से सिस्टम टाईट हुआ है। मगर जिलों का हाल अभी भी डिरेल्ड है। न कलेक्टर टाईम को फॉलो कर रहे और न एसपी। अधिकांश जिलों में अराजकता जैसी स्थिति है। खासकर, उन जिलों की स्थिति काफी खराब है, जहां नए प्रमोटी कलेक्टर गए हैं। इनमें से कई ने तो जाते ही गर्दा उड़ा दिया है। दरअसल, नए प्रमोटी कलेक्टरों को कहीं से भनक मिल गई कि उन्हें खानापूर्ति के लिए कलेक्टर बनाया गया है, इसके बाद कभी भी उन्हें विदा कर दिया जाएगा। इसके बाद कामधाम छोड़ वे रोज सुबह कैलकुलेटर लेकर बैठ जा रहे। खैर, कलेक्टर, एसपी अगर टाईट होते तो कोरिया में ट्रिपल मर्डर थोड़े हो जाता। सोनहत का जघन्य हत्याकांड पुलिस और प्रशासन की घोर लापरवाही का नमूना है। रेत जैसी चीजों के लिए अगर तीन-तीन हत्याएं हो जाए तो सबसे पहले कलेक्टर, एसपी को लटकाना चाहिए। मुख्य सचिव को भी जिलों की अराजकता को लेकर स्ट्रांग होना पड़ेगा। जो अफसर इधर-उधर कर रहा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की वे सिफारिश तो कर ही सकते हैं।

### विधायकों की मजबूरी-1

छत्तीसगढ़ में रुलिंग पार्टी के विधायक हो या फिर आपोजिशन के, सभी एक सूत्रीय अभियान में जुटे हुए हैं, तो उनकी भी अपनी मजबूरी है। दरअसल, चुनाव इतने कॉस्टली होते जा रहे कि ग्रामीण सीटों पर भी अब 10 से 15 खोखा निकल जा रहा। शहरों तो 25 से उपर मानिये। ऐसे में, वो सब होंगे, जो कभी कल्पना से बाहर थे। जाहिर है, अब रेत और मुरूम ठेके तक पर एकाधिकार की कोशिशें हो रही। जांजगीर जिले की एक महिला विधायक का रेत माफिया से अपना हिस्सा मांगते वीडियो वायरल हुआ ही था तो कोरिया में दो बीजीपी विधायकों के रेत पर वर्चस्व में कितना बड़ा कांड हो गया, इसे सबने देखा। जघन्य वारदात हो गई। और जब विधायकजी लोग ही रेत से तेल निकालने लगेंगे तो सिस्टम क्या कर लेगा। कलेक्टर लोग कुर्सी बचाने मौन रहना ही श्रेष्ठ समझ रहे। क्योंकि, एक तो वो दमदार वाले कलेक्टर अब बचे नहीं, दूसरा जरा सा भी टोक दिए तो फिर अगले दिन से कलेक्टर की शिकायतें शुरू। यही वो वजह है कि अच्छे खासे मार्जिन से जीतकर आए विधायकों के खिलाफ एंटी इंकाम्बेंसी तेज होता जा रहा।

### विधायकों की मजबूरी-2

विधायकजी लोग मजबूरी में दोनों हाथ से किस तरह काम कर रहे, इसका नमूना है जिला शिक्षा अधिकारियों की पोस्टिंग। सरकार ने 16 जिलों के डीईओ बदले, उनमें से छह जिलों का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट ने इस पर नाराजगी भी व्यक्त किया है। दरअसल, छहों विधायकों ने जिद करके अपने जिले में नियम विरुद्ध व्याख्याताओं को डीईओ बनवा लिया। हालांकि, गजेंद्र यादव मजबूत बैकग्राउंड के हैं, इसलिए उन्हें नहीं झुकना था मगर मंत्रिमंडल में सर्जरी और प्रमोशन का समय है, वे भी विधायकों के प्रेशर में आ गए। बीजेपी संगठन को इसे देखना चाहिए। क्योंकि, इससे सरकार की छबि प्रभावित हो रही।

### अध्यक्ष पर मंथन

इस समय सत्ताधारी पार्टी और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस दोनों के प्रदेश अध्यक्ष बस्तर से हैं। और यह कड़वी सच्चाई यह है कि दोनों की प्रदेश में वैसी पकड़ नहीं बन पाई है, जैसी कि पार्टी के मुखिया की होनी चाहिए। बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने तो अध्यक्ष की जगह मंत्री बनने की इच्छा जताई थी, हालांकि पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद पर कंटिन्यू कर दिया। उधर, पीसीसी चीफ दीपक बैज भी ढाई साल में अपनी कोई पहचान नहीं छोड़ पाए हैं। वास्तविकता यह है कि आज भी पूर्व सीएम भूपेश बघेल ही पूरे प्रदेश में एकतरफा माहौल बनाए हुए हैं। हफ्ते भर के भीतर वे दो बार सरगुजा पहुंच गए। उनके बाद विधायक देवेंद्र यादव की सक्रियता है। बहरहाल, बीजेपी और कांग्रेस के सियान नेताओं को इस पर मंथन करना चाहिए बस्तर से जुड़े पार्टी नेताओं की पूरे प्रदेश में स्वीकार्यता क्यों नहीं बन पाती? और क्या अध्यक्ष रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग जैसे प्रदेश के बीच के हिस्से से बनाना चाहिए?

### एसपी की लिस्ट

मुख्यमंत्री के व्यस्त होने की वजह से एसपी की लिस्ट नहीं निकल पाई। मगर अब आजकल में कभी भी आदेश जारी हो सकता है। इसमें करीब 10-12 जिलों के एसपी बदले जाएंगे तो रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के चारों चारों डीसीपी एसपी बनकर जिलों में जा सकते हैं। दरअसल, चारों 2020 बैच के आईपीएस हैं। इस बैच के एक आईपीएस नारायणपुर में काफी पहले एसपी बन चुका है। सो, इन चारों में इस बात को लेकर क्षोभ रहता है। खैर, इन चारों का नंबर इस बार लग सकता है। एसपी की लिस्ट को लेकर खुफिया चीफ अमित कुमार और सिकेट्री टू सीएम राहुल भगत की प्रिंसिपल सिकेट्री टू सीएम सुबोध सिंह के साथ मंत्रणा हो चुकी है। इसलिए, लगता है अब ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। एसपी के साथ डीएसपी की लिस्ट भी निकलने वाली है।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस मंत्री ने सूटकेस की शक्ति के जरिये मान लिया था कि उसका कोई विकल्प नहीं है मगर अब कुर्सी डगमगा रही है?

2. सरकार को सिस्टम में शुचिता लाने मंत्रियों के साथ विधायकों के उपर भी अंकुश लगाने की जरूरत नहीं है?

---

नोटिस के बाद भी संचालकों ने न चावल जमा किया न बदले में राशि लौटाई

# 6 राशन दुकानों में सवा करोड़ रुपए के चावल का शार्टेज

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित उचित मूल्य की दुकानों में चावल की हेराफेरी के मामले थम नहीं रहे हैं। वर्ष 2022 में रायपुर सहित प्रदेशभर में कई दुकान संचालकों ने हितग्राहियों को वितरण किए जाने वाले करोड़ों रुपए के चावल की हेराफेरी की थी, जिसकी शत प्रतिशत रिकवरी कई जिलों में अब तक नहीं हो पाई है। इधर रायपुर जिले में पिछले वर्ष कई दुकानों में दोबारा चावल की गड़बड़ी की गई है। इनमें से आधा दर्जन उचित मूल्य दुकानों में सवा करोड़ रुपए से अधिक के चावल की गड़बड़ी करने के मामले में संबंधित समितियों के अध्यक्ष एवं विक्रेताओं को नोटिस जारी कर चावल या बदले में राशि जमा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इन दुकानों में से किसी ने भी चावल या राशि जमा नहीं कराई है। खाद्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि इस मामले में अब एफआईआर कराए जाने की तैयारी की जा रही है।

जिला खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले की कई उचित मूल्य की दुकानों में चावल शॉर्टेज की सूचना मिलने पर जांच की गई है। इस जांच के दौरान दुकान आईडी 442001039 में 315 क्विंटल, 442001020 में 385 क्विंटल, 442001040 में 1250 क्विंटल, 441001290 में 490 क्विंटल, 441001291 में 520 क्विंटल एवं 441001059 में 300 क्विंटल चावल शार्टेज पाया गया था। इन सभी दुकानों के संचालन करने वाली समितियों के अध्यक्ष-विक्रेताओं को नोटिस जारी कर गायब चावल के बदले चावल या राशि जमा करने के लिए कहा गया था। विभाग के इस नोटिस के बाद भी दुकानों के संचालकों ने अब तक न ही चावल जमा कराया है और न ही बदले में राशि जमा कराई है। राशन कार्ड धारकों को वितरण करने उचित मूल्य की दुकानों में पहुंचने वाले चावल को हितग्राहियों को नहीं देकर कई दुकानों के संचालक अधिक कीमत पर बाजार में खपा देते हैं। यही कारण है कि जांच के दौरान ऑनलाइन रिकार्ड में चावल की जितनी मात्रा दिखाई देती है, उसके अनुसार दुकानों में स्टॉक नहीं होता। जिन 6 दुकानों में जांच की गई, उनकी दुकानों में भी ऑनलाइन स्टॉक की तुलना में चावल कम पाया गया था।

विभागीय सूत्र से जानकारी मिली है कि उचित मूल्य की दुकानों में जितना चावल शार्टेज मिला था, उसमें एपीएल कोटे का चावल ज्यादा है। दुकानों में बीपीएल सहित अन्य वर्ग के कार्ड धारकों की तुलना में एपीएल कार्ड धारक चावल लेने कम पहुंचते हैं, जिसके कारण उनके कोटे का चावल का स्टॉक का वितरण भी कम हो पाता है। उचित मूल्य की दुकानों में मिलने वाला चावल एपीएल को छोड़कर अन्य वर्ग के कार्ड धारकों को निःशुल्क मिलता है, वहीं एपीएल धारक को 10 रुपए प्रति किलो की दर से मिलता है। उचित मूल्य की दुकानों में जरूर चावल का मूल्य निःशुल्क या अधिकतम दस रुपए है, लेकिन कोचिया के माध्यम से इसी चावल को बाजार में दुकानदार 30 से 32 रुपए प्रति किलो की दर से खपाते है। इससे उन्हें जमकर मुनाफा होता है।

40 रुपए प्रति किलो की दर से लौटाना है चावल के बदले राशि

चावल शार्टेज मिलने पर विभाग ने चावल के बदले चावल के साथ बदले में राशि लौटाए जाने का ऑप्शन रखा हुआ है। इसके तहत प्रति किलो चावल के एवज में 40 रुपए निर्धारित है। इस तरह 6 दुकानों से कुल 3260 क्विंटल चावल गायब मिला है, जिसकी 40 रुपए प्रति किलो की दर से कुल कीमत 1 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपए है।

### कड़ी कार्रवाई की जाएगी

आधा दर्जन उचित मूल्य की दुकानों में कुल 3260 क्विंटल चावल शार्टेज मिला है। रिकवरी के लिए इन सभी दुकानों को नोटिस जारी कर चावल या बदले में राशि जमा करने के निर्देश दिए थे। नोटिस के बाद भी चावल-राशि जमा नहीं की गई है। कलेक्टर के निर्देश पर अब इन मामलों में आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

**- भूपेंद्र मिश्रा,** खाद्य नियंत्रक रायपुर

---

# नियम एक महीने में नक्शा पास कराने का, खामी बताकर लटका रहे प्रकरण

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर निगम सीमा क्षेत्र में खाली भूखंड पर भवन निर्माण के लिए नक्शा पास कराने ऑनलाइन सिस्टम होने के बाद भी लोग महीनों तक परेशान हो रहे हैं। लोक सेवा गारंटी के तहत भवन अनुज्ञा लिए जाने के साथ ही 1 रुपए की पावती लेकर इसके लिए इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। निर्धारित समय सीमा में आवेदक के प्रकरण में ऑनलाइन नक्शा पास कर उपलब्ध कराने का सिस्टम है। इसके बाद भी आवेदन के 2 से 3 माह बीतने के बाद भी प्रकरण लंबित हैं।

- हर महीने औसतन 300 ऑनलाइन मंजूरी, समय सीमा में महज 150, 150 की पेंडिंग

हालत ये है कि नगर निगम के पास हर माह औसतन 300 ऑनलाइन आवेदन नक्शा पास कराने शहर के विभिन्न हिस्सों से मिल रहे हैं, जबकि इनमें से केवल 150 आवेदक के प्रकरण में समय पर नक्शा पास कर दिया जा रहा है। 150 आवेदकों के आवेदन खामी बताकर लंबित कर दिए जा रहे हैं। दरअसल, भूखंड धारियों को नगर निगम से भवन निर्माण के लिए नक्शा पास कराने में पसीना छूट रहा है। सूत्रों के मुताबिक तीन माह नगर निवेश के पास 900 से अधिक ऑनलाइन आवेदन भवन अनुज्ञा के प्राप्त हो रहे हैं। नियम अनुसार आवेदनकर्ता को 1 रुपए की टोकन राशि से पावती देकर 1 माह के भीतर निर्धारित दस्तावेज संलग्न करने पर नक्शा पास करना है, पर धरातल पर स्थिति इसके ठीक उलट है। रायपुर नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में भवन अनुज्ञा पारित कराने संबंधी कार्य के लिए निगम से 1200 आर्किटेक्ट पंजीकृत हैं, जो शहरभर में आवेदकों द्वारा नक्शा पास कराने के ऑनलाइन आवेदन का निर्धारित दस्तावेज की जांच कर प्रापर अपलोड करने में सहयोग करते हैं। दिक्कत फीस जनरेट करने में लेटलतीफी को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक नगर निगम के जोन में बैठे इंजीनियर निर्धारित दस्तावेज अपलोड होने के बाद भी पोस्ट एप्रूवल फीस जनरेट नहीं करते। इसके एवज में आवेदकों से अतिरिक्त राशि की अनाप-शनाप डिमांड की जाती है। इसमें मोलभाव की शिकायत भी आ रही है। विकास शुल्क, सड़क बाधा शुल्क, 1500 वर्गफीट से अधिक के निर्माण पर रैनवाटर हार्वेस्टिंग शुल्क, उपकर के रूप में निर्माण लागत का 1 फीसदी देय। शहर के आउटर में स्थित कचना, आमासिवनी, दलदल सिवनी, सड्डू, मठपुरैना, भाठागांव, रायपुरा क्षेत्र के भूखंड मालिकों को निर्माण से पूर्व नक्शा पास कराने में ज्यादा परेशानी आ रही है। इसी तरह डूंडा, बोरियाखुर्द, देवपुरी में कमोबेश यही स्थिति देखी जा रही है।

---

कांग्रेस की अगले माह से आंदोलन की तैयारी भी

# स्मार्ट मीटर को लेकर हाहाकार, एमडी बोले- ज्यादा खपत की शिकायत पर पुराना मीटर लगाकर करेंगे जांच

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही है। अब तक 40 लाख से ज्यादा मीटर लग चुके हैं। इस बीच सोशल मीडिया में लगातार इस बात को लेकर हाहाकार मचा हुआ है कि स्मार्ट मीटर में पुराने मीटर से ज्यादा खपत हो रही है। कांग्रेस भी इसको लेकर लगातार आंदोलन कर रही है। कई उपभोक्ताओं को इस बात की शिकायत है कि उनका बिल पहले से दो से तीन गुना ज्यादा आ रहा है। इस मामले में हरिभूमि से चर्चा करते हुए वितरण कंपनी के एमडी भीमसिंह कंवर ने कहा, अगर किसी भी उपभोक्ता को लगता है कि उसका स्मार्ट मीटर ज्यादा खपत बता रहा है, तो ऐसे किसी भी उपभोक्ता के आवेदन पर उसके कनेक्शन में एक पुराना मीटर भी लगाकर जांच की जाएगी। वैसे भी स्मार्ट मीटर में पांच फीसदी उपभोक्ताओं के यहां पुराने के साथ स्मार्ट मीटर लगाकर लगातार जांच हो रही है, किसी में कहीं कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है।

केंद्र सरकार की योजना के तहत देश के सभी राज्यों में अब स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। अपने राज्य में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम लगातार चल रहा है। स्मार्ट मीटरों को लेकर इस बार गर्मी में लगातार यह बात सामने आ रही है कि स्मार्ट मीटर में ज्यादा खपत हो रही है। थोक में उपभोक्ताओं के बिल पहले से ज्यादा आने की शिकायत आम है। सोशल मीडिया में इसको लेकर ज्यादा बवाल मचा हुआ है। इस मामले में कांग्रेस ने भी मोर्चा खोला है और सीधे एमडी तक इसको लेकर शिकायत की गई है। स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेस ने घर-घर जाने का फैसला किया है। इसको लेकर अगले माह से पूरे प्रदेश में अभियान चलेगा। इसमें उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर को लेकर एक फार्म भरवाया जाएगा कि स्मार्ट मीटर ठीक नहीं है, इसलिए इसको बदला जाए। कांग्रेस की मांग है कि उप्र में जिस तरह से स्मार्ट मीटरों को बदला जा रहा है, अपने राज्य में भी स्मार्ट मीटर के स्थान पर पुराने मीटर लगाए जाए और तत्काल नए स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाई जाए। स्मार्ट मीटरों के लेकर पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि स्मार्ट मीटरों को एक तो पहले से चेक किया गया है। इसी के साथ जितने स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, उसके अनुपात में पांच फीसदी उपभोक्ताओं के यहां पुराने के साथ ही स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं की पूरी संतुष्टि के बाद ही पुराने मीटर हटाए जा रहे हैं। ज्यादा बिल को लेकर जो कारण सामने आ रहे हैं, उसमें एक सबसे बड़ा कारण यह है कि बीते साल गर्मी में बिजली बिल हॉफ योजना के कारण चार सौ यूनिट तक खपत पर बिजली बिल हॉफ हो रहा है। इसमें उपभोक्ता की खपत चार सौ यूनिट से ज्यादा होने पर भी उसको लाभ मिलता था, लेकिन बीते साल अगस्त में इस योजना में संसोधन करके पहले सौ यूनिट की खपत पर बिल आधा किया गया। इसके बाद विरोध होने पर इसको बढ़ाकर दो सौ यूनिट पर बिल हॉफ किया गया। इसमें भी शर्त यह है कि खपत चार सौ यूनिट तक होनी चाहिए। गर्मी में ज्यादातर उपभोक्ताओं की खपत चार सौ यूनिट से ज्यादा होने पर बीते साल जो बिजली बिल हॉफ में हजार से 11 सौ रुपए कम हो रहे थे, वो इस बार न होने पर बिल ज्यादा लग रहा है।

### शिकायत पर करेंगे जांच

स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ता की शिकायत होने पर उपभोक्ता के आवेदन पर उसके कनेक्शन के साथ पुराना मीटर लगाकर जांच की जाएगी। स्मार्ट मीटरों के जांच के बाद लगाया जा रहा है। इसमें कोई कमी नहीं है।

**- भीम सिंह कंवर**, एमडी वितरण कंपनी

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### अब तक केवल...

सप्ताह से लेकर जुलाई के पहले सप्ताह तक जिले के कुल रकबे 1 लाख 42 हजार हेक्टेयर में से 35 हजार हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में धान की बोनी हो जाती है। कृषि विभाग का कहना है कि मानसून की सुस्ती के कारण खेती का काम प्रभावित हुआ है।

### ट्यूबवेल वाले तैयार...

पर किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों की ओर जाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बारिश के देर के आने से फसल की अवधि पिछड़ सकती है, ऐसे में अर्ली वैरायटी का धान लगाना उचित होगा।

### कांकेर : कम बारिश...

कारण खेत अभी भी पानी का इंतजार कर रहे हैं। कृषि विभाग के अनुसार यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो बुआई और रोपाई दोनों प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर इस वर्ष धान उत्पादन पर पड़ सकता है।

### धमतरीः बोनी के...

समय 1 से 20 जून तक है। वे खेतों में धान की बोनी तो कर चुके हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से बीज के खराब होने की आशंका बनी हुई है। जितनी बारिश हो रही है, उतने में बीज अंकुरित नहीं होंगे, बल्कि नमी से बीज की अंकुरण क्षमता प्रभावित होगी। बारिश में विलंब होने से फसल उत्पादन भी प्रभावित होगा।

### जिले में 22 सौ...

की जगह अन्य फसल लेने की सलाह दी जा रही है। विभाग को मैदानी अमले से मिल रही रिपोर्ट के अनुसार कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी बोनी की शुरुआत नहीं हुई है। हाल ही के दिनों में कुछ स्थानों में हल्की बारिश होने के कारण बोनी की गई है किन्तु वह भी खेती की स्थिति के लायक नहीं है।विभागीय अधिकारियों ने मैदानी क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान यह पाया है कि अगर आने वाले दिनों में भी यही स्थिति रही तो धान की फसल का उत्पादन कम

### जांजगीरः : मानसून...

नहर से पानी छोड़े जाने के बाद सिंचाई के सहारे धान की बुआई का काम शुरू किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में ट्रैक्टर और कृषि यंत्र तो नजर आ रहे हैं, लेकिन पानी की कमी के कारण अधिकांश खेत अभी भी बुआई और रोपाई का इंतजार कर रहे हैं।

### बोनी के बाद...

लगाने से किसान डर रहे हैं। कम अवधि की बीज ही लगा रहे हैं। इससे भारी नुकसान से बच सकते हैं। **राजनांदगांवः जिले में 10% भी बुआई नहीं, खेती पिछड़ी उत्पादन में होगी कमी**- अलनीनो के प्रभाव के चलते बारिश की बेरुखी बनी हुई है, जिससे खेती किसानी का कार्य प्रभावित हो गया है। लगभग 10-15 दिनों में भी जिलेभर में 10 प्रतिशत किसानों ने धान की बुवाई नहीं की है। जिससे खेती का कार्य पिछड़ा हुआ है। देर से बुवाई और मौसम की बेरुखी के चलते इसका सीधा प्रभाव फसलों पर पड़ेगा, जिससे उत्पादन क्षमता में कमी आएगी।

### 31 मई से...

14 जून को सिया गोयल ने कथित तौर पर केतन अग्रवाल को एक चट्टान से धक्का देने की कोशिश की, लेकिन वह एक झाड़ी पकड़कर बच गया। पुलिस का दावा है कि उसने उसे यकीन दिलाया कि यह घटना गलती से हुई थी, उसका भरोसा फिर से जीता और चार दिन बाद उसके साथ किले में फिर से गई। 18 जून को सिया गोयल और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर अपनी योजना को अंजाम दिया।

### विधायकों के लिए...

पर लोगों ने कब्जा किया। उसे खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया गया है। बीती रात इसे लेकर जमकर बवाल भी हुआ। टीम हरिभूमि जब नकटी गांव पहुंची तो चौपाल पर बैठे लोगों के बीच पहुंचते ही सबसे पहले कुछ बच्चियां कंचे और छोटे-छोटे खेलों में मग्न नजर आईं। उनके चेहरों पर वही सहज मुस्कान है, जो किसी भी गांव के बचपन की पहचान होती है। उन्हें शायद अभी यह एहसास नहीं कि जिन आंगनों में वे खेल रही हैं, उन्हीं घरों के सामने बेदखली का नोटिस चस्पा किया गया है। **ग्रामीण कहते हैं- पहले पुनर्वास पर विचार हो**-प्रभावित परिवारों का सबसे बड़ा सवाल यही है। कई ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मकान मिले, बिजली-पानी की सुविधाएं मिलीं और वर्षों तक किसी ने उनके निवास पर आपत्ति नहीं की। अब अचानक बेदखली की प्रक्रिया शुरू होने से वे खुद को असमंजस में महसूस कर रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि प्रशासनिक कार्रवाई से पहले पुनर्वास, वैकल्पिक व्यवस्था और मानवीय पहलुओं पर भी विचार किया जाना चाहिए।

### बृजमोहन बोले- बिना...

को भी बेघर करना सरकार की प्राथमिकता नहीं है। मैंने पूर्व में भी इस संबंध में शासन को अपना पक्ष स्पष्ट किया है और अब भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी से इस पर चर्चा कर उचित समाधान निकालने का प्रयास करूंगा। सांसद श्री अग्रवाल ने पीड़ित ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक ली, जिसमें प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि जब तक प्रभावित परिवारों के लिए उचित वैकल्पिक व्यवस्था या पुनर्वास योजना तैयार न हो जाए, तब तक किसी भी स्थिति में बेदखली की कार्रवाई न की जाए। श्री अग्रवाल का कहना है कि जिन परिवारों के पास कोई अन्य आवास नहीं है और जो पूर्णतः बेघर हो जाएंगे, उनकी समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जन-कल्याण है, न कि किसी को संकट में डालना।

### चूल्हे नहीं जले,...

बड़ी संख्या में ग्रामीण सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मिलने पहुंचे और अपनी बात रखी। ग्रामीणों के अनुसार सांसद ने राजस्व अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकालने का आश्वासन दिया। फिलहाल गांव की निगाहें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के अगले कदम पर टिकी हैं।

### राम मंदिर में...

करेगा। ट्रस्ट के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों के इस्तीफे के बारे में बंसल ने फोन पर बताया, हां, इसकी पुष्टि हो गई है। प्रेस नोट में गोविंद देव गिरि ने कहा, श्री राम मंदिर (अयोध्या) में पिछले कुछ दिनों में हमने जो घटनाएं सुनी हैं, उससे हम स्तब्ध, आहत और बहुत दुखी हैं। यहां सभी राम भक्तों और राम सेवकों के प्रतिनिधियों के रूप में सेवा करते हुए, हम भगवान राम के भक्तों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम निष्पक्ष जांच के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा का इस्तीफा मिल गया है। ट्रस्ट अपनी अगली बैठक में इस पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भगवान राम की सेवा में व्यक्तिगत रूप से चांदी की ईंटें, आभूषण आदि समर्पित करने वाले भक्तों को आश्वस्त करता है कि ये वस्तुएं सुरक्षित खाते (सुरक्षित हिसाब सहित) के साथ उपलब्ध हैं। मंदिर के दानपात्र से प्राप्त धन के संबंध में ट्रस्ट के अनुरोध पर उप्र सरकार द्वारा गठित एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर ट्रस्ट द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और इस पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बयान में कहा गया, हम सभी को आश्वस्त करते हैं कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति उत्पन्न न हो। हम मांग करते हैं कि दोषियों को कड़ी सजा मिले। हम असामाजिक, धर्म-विरोधी और स्वार्थी तत्वों द्वारा सनातन धर्म की छवि को धूमिल करने के प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे।/" बयान में लोगों से अनुरोध किया गया है कि फैलाई जा रही भ्रामक और निराधार अफवाहों से बचें और दूसरों को भी इनका शिकार न बनने दें। गोविंद देव गिरि ने बयान में कहा, /"हमें विश्वास है कि बादल छंट जाएंगे, अंधकार दूर हो जाएगा, सूर्य का सत्य-प्रकाश चमकेगा और भगवान राम की भक्ति की प्रबल धारा निर्बाध रूप से बहती रहेगी। जय श्री राम।

गिरि की ओर से इस्तीफों को लेकर शनिवार को पुष्टि किए जाने से एक दिन पहले प्राथमिकी में नामित आठ लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा दान के गबन और कुप्रबंधन के बारे में चौंकाने वाले निष्कर्षों के बाद मंदिर ट्रस्ट द्वारा यह प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में राय का एक पूर्व चालक भी शामिल है जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि आठ नामित आरोपियों में से कुछ के पास से लगभग 80 लाख रुपये के अलावा कुछ विदेशी मुद्रा भी बरामद की गई है।

**चंपत के पूर्व ड्राइवर के पास थी चाबियां-**
नियमों के विपरीत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पूर्व चालक रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के पास कई 'हुंडियों' (दानपात्रों) की चाबियां थीं। एक सूत्र ने कहा, मंदिर में कई हुंडियां थीं। जिन हुंडियों की चाबियां टिन्नू यादव के पास थीं, उनमें आए चढ़ावे की नकदी एसओपी के पालन में ढिलाई के कारण कथित रूप से निकाल ली गई। गबन के सटीक तरीके का अभी पता लगाया जा रहा है।

**छह आरोपियों से 80 लाख बरामद-**
सूत्रों के अनुसार, अब तक आठ में से छह आरोपियों के पास से लगभग 80 लाख रुपए नकद तथा कुछ विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। एक सूत्र ने कहा, जांच अभी जारी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बाद ट्रस्ट को तत्काल प्राथमिकी दर्ज करानी पड़ी और कार्रवाई तेजी से हुई। विवाद सामने आने और एसआईटी के गठन से ठीक पहले चढ़ावे की गिनती वाले कक्ष के पास स्थित एक शौचालय से ढाई लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए थे। सूत्रों ने कहा कि ये खुलासे 'बेहद शर्मनाक' हैं, क्योंकि ट्रस्ट का प्रबंधन संभालने वाले जिम्मेदार लोग कथित गड़बड़ी से पूरी तरह अनभिज्ञ बने रहे।

### हीरा खनन की...

डायमीटर ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। बैठक में निदेशक मंडल ने परियोजना की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस की अवधि के भीतर सभी तकनीकी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। बड़े व्यास की ड्रिलिंग से किम्बरलाइट पाइप में मौजूद हीरा भंडार का सटीक आकलन किया जाएगा। इसके बाद विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार होगी, जिसके आधार पर व्यावसायिक हीरा खदान विकसित करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा। एनसीएल के निदेशक मंडल की बैठक में अमिताभ मुखर्जी, आशीष चटर्जी, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक रजत बंसल, उपेंद्र कुमार तथा विनय कुमार उपस्थित रहे।

**भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार की संभावना-**
बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख हीरा उत्पादक देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रारंभिक चरण में इस प्रकार की सफलता भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार मिलने का संकेत हो सकती है। इसलिए बलौदा-बेलमुंडी परियोजना को छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक महत्वपूर्ण खनिज परियोजना माना जा रहा है।

**बैलाडिला डिपॉजिट की क्षमता बढ़ाने पर जोर**- बैठक में राज्य की अन्य प्रमुख लौह अयस्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैलाडीला डिपॉजिट-4 में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 70 लाख टन प्रतिवर्ष किया जाएगा। वहीं बैलाडीला डिपॉजिट-13 को एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता के साथ विकसित करने की दिशा में भी कार्य जारी है।

### बहु-खनिज विकास...

बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

# हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** घरेलू कार्यों झाड़ू पोछा बर्तन (2-3 घंटे के लिए) कर्मचारी एवं सुबह शाम खाना बनाने हेतु महिला कर्मचारी चाहिए पता- महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर सम्पर्क करें- 8085681072, 8871563925 **(41271)**

**आवश्यकता है-** पाई टाईम फील्ड कार्य हेतु 2 स्थानीय युवकों की योग्यता 8वीं, वेतन योग्यतानुसार। स्वयं का वाहन अनिवार्य सम्पर्क करें- थायरोकेयर (शेख असलम) देवकीनन्दन स्कूल के सामने तिलक नगर बिलासपुर 9669777917 **(41268)**

**आवश्यकता है-** कपड़े की दुकान से कार्य करने हेतु अनुभवी और बिलासपुर निवासी हेल्पर एवं सेल्समैन लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827104451 **(41278)**

**आवश्यकता है-** सोशल मीडिया रील्स, वीडियो एडिटिंग एवं फील्ड मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता सम्पर्क करें- दीक्षित कॉलोनी नेहरू चौक बिलासपुर 9303079100 9479132382 **(41276)**

**आवश्यकता है-** दुकान में कम्प्यूटर द्वारा BUSY में एवं अन्य कार्य करने हेतु कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 9827167987, 9300617113 **(41273)**

**आवश्यकता है-** ड्राइवर की आवश्यकता है विजयापुरम कालोनी सरकंडा में एक कुशल कार ड्राइवर की आवश्यकता है सरकंडा निवासी को प्राथमिकता। ड्यूटी टाइम सुबह 8बजे से रात 8बजे तक सम्पर्क करें- 9109232335 **(41274)**

**आवश्यकता है-** बिलासपुर राजकिशोर नगर में लॉन्ड्री दुकान में कपड़ा धुलाई, प्रेस, ड्राइक्लीन का काम करने हेतु युवक, युवती चाहिए पास में रहने वाले को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें- 9167366183 **(41267)**

**आवश्यकता है-** सीनियर अकाउंटेंट जिसे टेली, जीएसटी का अनुभव रहे वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ऐरन स्टील, सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल से सदर बाजार करोना चौक बिलासपुर **(41038)**

**आवश्यकता है-** ऑफिस मैनेजमेन्ट के लिए लड़की (सुशिक्षित एवं कम्प्यूटर अनुभवी) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री बालाजी कंस्ट्रक्शनस होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 7974086925, 9907925045 **(41277)**

**आवश्यकता है-** विज्ञापन एजेंसी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर इलेक्ट्रीशियन फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लड़के एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी-15, ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6264550163, 9685542250, 7049098581 **(41272)**

**आवश्यकता है-** गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान विषय पढ़ाने हेतु शिक्षकों और एक बस ड्राइवर आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सीतादेवी उच्चतर माध्यमिक शाला नेवसा, बेलतरा बिलासपुर 8827019748, 9713309613 **(1497)**

**आवश्यकता है-** लुब्रिकेन्ट ऑयल हेतु सेल्स ऑफिसर वेतन- 10000 से 20000 एवं टेलीकालर (फीमेल) वेतन 8000 से 15000 चाहिए पता- प्लस आटोमोबाइल शीतला माता मन्दिर के पास, शारदा मन्दिर के सामने, तारबाहर **(41255)**

**आवश्यकता है-** नया अस्पताल श्रीराम हॉस्पिटल उस्लापुर नेचर सिटी मेन रोड के लिए चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, रिटायर्ड व्यक्ति को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 6264218005 (बारिक) **(41260)**

**आवश्यकता है-** अनुभवी कार वॉश कर्मी की आवश्यकता शांति नगर, रिंग रोड-2 में घर पर रोजाना 3 कार एवं 8 बाइक की डेली वॉशिंग हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। संपर्कः प्रणव कुमार- 7711006641 **(41256)**

**आवश्यकता है-** बिलासपुर 36 मॉल सिनेमा फूड काउन्टर और फूड कोर्ट में कार्य करने हेतु 4-4 हेल्फर लड़कों की आवश्यकता है सैलरी- 8000+ रहना+ खाना सम्पर्क करें- 9109919456, 9669661257 **(41241)**

**आवश्यकता है-** ई रिक्शा प्रचार में चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है फिक्स सैलरी इच्छुक युवक, युवती सम्पर्क करें-अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177 **(764)**

**आवश्यकता है-** रियल स्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियों, गृहिणियों की तत्काल आवश्यकत है फ्रेशर एवं अनुभवी को प्राथमिकता शानदार इनसेंटिव सम्पर्क करें- 9302652734, 7987374690 **(41265)**

**आवश्यकता है-** रायपुर में नवजात शिशु एवं माता की देखभाल हेतु 30 से 45वर्ष आयु की अनुभवी महिला की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 रहना खाना फ्री। सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 **(41259)**

**आवश्यकता है-** श्री गायत्री गर्ल्स हॉस्टल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर में ड्राइवर, मेस स्टाफ, वॉर्डन एवं गन मैन की आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9302312463, 9302312528 **(41266)**

**आवश्यकता है-** डिजिटल पब्लिक स्कूल मंगला बिलासपुर में लेखांकन, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, गणित, विज्ञान एवं नर्सरी से पांचवी पढ़ाने हेतु शिक्षक, शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। प्रशिक्षित, अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9907556205 **(41247)**

**आवश्यकता है-** बिलासपुर की रियल एस्टेट कम्पनी में कार ड्राइवर पद- 2 की आवश्यकता है अनुभव- ऑटोमेटिक कार चलाने का 7वर्ष से अधिक का अनुभव, नशा मुक्त, वेतन- योग्यता अनुसार अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 7610320000, 7049810000 **(41252)**

**आवश्यकता है-** शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085533493 **(367)**

**आवश्यकता है-** ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 8982834337 **(529)**

**आवश्यकता है-** पेन्ट दुकान में कार्य हेतु लड़का चाहिए दुकान में ही सेल्स और मेनेजमेंट हेतु पेन्ट की जानकारी वाली लड़की चाहिए वेतन याग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नूतन चौक सरकण्डा बिलासपुर 8827068080 **(41249)**

**आवश्यकता है-** उमा एजेन्सी में दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं ऑटो, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- विजय नगर देवरीखुर्द बिलासपुर 9301517722 **(41251)**

**आवश्यकता है-** कैमरा फिटिंग और सर्विस का काम करने के लिये लड़कों की आवश्यकता है, संपर्क करें: अपेक्स सिक्यूरिटी सिस्टम, ए-37, विनोबा नगर, बिलासपुर, मो. 8223003099 संपर्क समय 12-3 **(41258)**

**आवश्यकता है-** गिफ्ट शोरूम में काम करने के लिए लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता है तथा जिसे कार्टून पैकिंग का अनुभव हो एवं रिक्शा चालक की भी जरुरत है संपर्क प्रणभ तोलानी 7711006641 **(41257)**

**आवश्यकता है-** होटल में काम करने हेतु कम्प्यूटर जानकार काउन्टर स्टाफ, अच्छे वेटर स्टाफ, टेबल सफाई, वेतन योग्यतानुसार रहने खाने की उत्तम व्यवस्था सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर चौक बिलासपुर 9907748408 **(41250)**

**आवश्यकता है-** रिसेप्शनिस्ट (लड़की) वेतन योग्यता अनुसार, रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षा गार्ड वेतन 10000 से 18000 रहना फ्री। सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्योरिटी सर्विस हेमू नगर बिलासपुर 9827152819, 8349974442, 9754713125 **(41237)**

**आवश्यकता है-** शिक्षिकाओं की (इंग्लिश मिडियम (PN to 8th) स्कूल हेतु/ स्पोकन इंग्लिश/ कम्प्यूटर में दक्ष/ ग्रेजुएट/ बीएड को प्राथमिकता। (Resume WhatsApp करें BBVM गोदड़ी धाम रोड, कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801, 7489885833 **(41238)**

**आवश्यकता है-** स्पंज आयरन प्लांटों को हीटिंग साईकल हेतु छत्तीसगढ़ लेवल पर सर्विसेज देने हेतु Jainaveer limited को 5+ साल अनुभवी फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, डिग्रीधारी आदि की आवश्यकता है सम्पर्क 9090207009, 7828827710 **(530)**

**आवश्यकता है-** जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी , हेतु (10वी + 12वी) पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा (18 से 42 ) सैलरी- 26500/- से 45500/- आवेदन हेतु - मार्क सीट, आधार कार्ड, पास पोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप/कॉल करे - 8400406891 **(102)**

**आवश्यकता है-** बीमा अभिकर्ता बनिए योग्यता 10वीं युवक, युवती हेतु प्रतिमाह मानदेय, आकर्षक कमीशन फुल टाइम/ पार्ट टाइम करियर बनाइये सम्पर्क करें- ध्रुव अग्रवाल ए-101 सियाराम अपार्टमेंट, मुंगेली रोड बिलासपुर 7987165126, 9424143077 **(759)**

**आवश्यकता है-** तुरंत सिलतरा रायपुर स्टील प्लांट परमानेंट हेल्पर 70, वेल्डर 10, फिटर 10, रिगर 10, ड्यूटी 8 घंटे, पी एफ, एसआईसी, बोनस, साप्ताहिक छुट्टी , वेतन -14000/- ठेकेदार मो 7869284963, 9329280863, 07883556724 **(304)**

## बेचना

**बेचना है-** अभिलाषा परिसर तिफरा में 1BHK का फ्लैट, सुभाष कॉम्प्लेक्स जरहाभाठा में 3BHK का फ्लैट और बंधवापारा सरकंडा में 2BHK का मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 7999415807 **(41263)**

**बेचना है-** सकरी मेन रोड पूर्ण विकसित सागर होम्स 33×55 डबल रोड प्लॉट, गीतांजली सिटी फेस-II, 30×50 दो प्लॉट, मेंड्रा, सैदा, घुरू मेन चौक, ट्रिपल रोड, 32×100, दो डायवर्टेड कमर्शियल सम्पर्क- 9827164787 **(41253)**

**बेचना है-** बिरकोना रोड, अशोक नगर, सरकंडा में, 2328 वर्गफुट 33,75,600/- में 900 वर्गफुट 11,25,000/- में 800 वर्गफुट 10,00,000/- में एवं मानस विहार बंधवापारा में 2205 वर्गफुट 35,30,000/- में सम्पर्क करें- 7489846536 **(41269)**

**बेचना है-** डायवर्टेड, अनडायवर्टेड- सीपत एनटीपीसी मटेरियल गेट से 400मी पहले बिलासपुर के तरफ सीपत बिलासपुर मुख्य मार्ग से 150 फीट अन्दर प्लाट विभिन्न साइजों में उपलब्ध है। सम्पर्क करें- 9302743074, 9329222816 **(41243)**

**बेचना है-** समृद्धि विहार कालोनी (सेन्दरी) कोनी में नवनिर्मित 2BHK मकान बेचना है सम्पर्क करें- 8965074333, 7000765996 **(41261)**

**बेचना है-**(साईं आनंदम शादी भवन के पास प्रकृति विहार 50×60 डायवर्टेड प्लॉट बाउंड्रीवॉलयुक्त) (घुरू गोकुलधाम विभिन्न साइज डायवर्टेड प्लॉट) (लोखंडी ऊषाउपवन कॉलोनी के सामने 18000 वर्गफुट जमीन) (चकरभाठा एयरपोर्ट के पास विभिन्न साइज प्लॉट) (मोपका चावला ग्रीन के सामने 25×50 के 3प्लॉट) (आरटीओ कार्यालय के पीछे 2000 वर्गफुट डायवर्टेड प्लॉट) (शांति नगर मकान) (ग्राम बहतराई (सकरी) 1एकड़ 60 डिसमिल जमीन) (मुंगेली नाका 13×75 प्लॉट) (कोनी विभिन्न साइज प्लॉट) सम्पर्क 7035244444 **(41221)**

**बेचना है-** नया डुप्लेक्स मकान 3 कमरे, 2 हॉल, 3 लेटबाथ, रसोई बालकनी, कार पार्किंग सुविधा पता- नारायणी टावर के पीछे, गणपति चौक के पास हेमू नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098251177, 9144446663 **(1498)**

**बेचना है-** TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 **(41254)**

## किराया

**किराया-** 27खोली विकास नगर, सरकारी क्वार्टर के पास प्रथम तल पर 2BHK मकान वरांडा ओपन टेरेस नौकरी पेशा अकेले व्यक्ति, छोटा परिवार को किराए पर देना है सम्पर्क करें- 9827158035, 7000989828 **(41270)**

**किराया-** मगरपारा रोड, व्हीपी हुंडई शोरूम के बाजू गली (संस्कृति विहार) में प्रथम तल पर 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है। केवल शासकीय कर्मचारी ही सम्पर्क करें- 8965074333, 7000765996 **(41262)**

**किराया-** कोचिंग सेन्टर, ऑफिस हेतु 2 बड़े हॉल (जिसमें एल्यूमिनियम पार्टीशन है) सेकेण्ड, थर्ड फ्लोर किराए से देना है पार्किंग सुविधा। जरहाभाठा राजीव गांधी चौक के पास बेस्ट लोकेशन। सम्पर्क- 9755166777 **(763)**

**किराया-** 2400 वर्गफुट सर्वसुविधायुक्त हॉल एवं रूम किराये से देना है रिंग रोड नं-2, अमेरी चौक, रानी सती मंदिर उमंग हॉस्पिटल के सामने एंजल प्लाजा में। सम्पर्क करें- 9826166998, 7804010995 **(41264)**

## फायनेंस

**फायनेंस-** बन्धना फाइनेन्स द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुप लोन, बिजनेस लोन 2% ब्याज में। 25000 से 30लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। सम्पर्क 9770833099 **(4282)**

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

## वैवाहिकी

### वधु चाहिए

**वधु चाहिए**
विश्वकर्मा (लोहार)
17.09.82 / 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

**वधु चाहिए**
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

### वर चाहिए

**वर चाहिए-** 55 वर्ष/ 5'4" / ब्राह्मण डॉक्टर MBBS रिटायरमेंट इनकम 90.000/ तलाकशुदा, widow घरजमाई, मान्य है टाइम पास वाले कॉल न करे मो. 9752361635. 9993872566 **(41294)**

## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन

स्पेन ने 1-0 से हराया

गुआडालाजारा। स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा की एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिका की दिग्गज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम ग्रुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

## सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश

5-0 से दर्ज की जीत

टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी पेप गुये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सर्र ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप गुये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

## केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

सऊदी अरब से खेला ड्रॉ

ह्यूस्टन। केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं।' केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है।

## डेम्बेले ने रचा इतिहास, फ्रांस की नार्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

# 32 साल बाद पहले हाफ में हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की।

विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

### फ्रांस की टीम ने बनाए रखा दबदबा

*डेम्बेले ने कहा, 'यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, 'हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'*

महिला टी20 वर्ल्ड कप
मैच शाम 7 बजे से

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| लंदन

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा। टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में अभी तक चार मैच खेले हैं, जिसमें से उन्हें 3 में जीत मिली है। वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

### भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच टी20 इंटरनेशनल में अभी तक 38 मैच खेले गए हैं, जिसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 9 में जीत मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 27 मुकाबले जीतने में कामयाब रही है। दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई रहा है और एक मैच का रिजल्ट नहीं आया। ये आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हमेशा से भारतीय महिला टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा है।

HDFC BANK | HDFC Bank Ltd.
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

**ई-नीलामी विक्रय सूचना**

**नीलामी की तिथि एवं समय :- 05-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे**
**(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)**

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

| स. क्र. | (A) ऋणी(यों) का नाम | (B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)* | (C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है) | (D) कब्जे का प्रकार | (E) आरक्षित मूल्य (रु.) | (F) ब्याना जमा राशि (रु.) / (G) बोली वृद्धि राशि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **श्री कुमार कृष्णा**, मकान नं. एम.क्यू/30, शक्ति नगर, पोस्ट-गेवरा, कोरबा, छ.ग.-495454. | ₹ 41,26,322/- 30 नवंबर 2021* की स्थिति में | फ्लैट-702, फ्लोर-7, आकृति हाइट्स, स.क्र., ख.नं. 2635/8, प.ह.नं. 14, ग्राम-कोहका, फरीद नगर, भिलाई; तहसील एवं जिला - दुर्ग, बिल्टअप एरिया-1820 वर्ग फीट, 161.14 वर्ग मीटर। **लेटिट्यूड-21.212759, लांगिट्यूड-81.339927.** | भौतिक | ₹25,00,000/- | ₹2,50,000/- / ₹ 5,000/- |
| 2. | **श्री मोहर्रिर प्रवीण** 1 7 2064 बैंक कॉलोनी, चा भाग देना बेकचे पथी, गीता नगर, शरद नगर, नांदेड़-वाघाला, 441221-महाराष्ट्र। **श्रीमती देशपांडे मोहिनी दत्तात्रेय** 1 7 2064 बैंक कॉलोनी, चा भाग देना बेकचे पथी, गीता नगर, शरद नगर, नांदेड़-वाघाला, 441221-महाराष्ट्र। | ₹ 30,42,215/- 30 सितंबर 2022 की स्थिति में | फ्लैट-2-सी, दूसरी मंज़िल, अवनी एन्क्लेव, स.क्र., खसरा 88/1,2,4, 88/5(92), 93/24, 111, 112/3, 113/11, प.ह.नं.- 18/25, ग्राम-कसरीडीह, दुर्ग, फ्लैट का बिल्टअप एरिया- 71.21 वर्ग मीटर, **लेटिट्यूड-21.179287, लांगिट्यूड-81.273806.** | भौतिक | ₹21,00,000/- | ₹2,10,000/- / ₹ 5,000/- |
| 3. | **श्री निषाद विनोद कुमार** वार्ड क्रमांक 16, शांति नगर, भिलाई 3, दुर्ग-490024. **श्रीमती निशाद लीलेश्वरी** वार्ड क्रमांक 16, शांति नगर, भिलाई 3, दुर्ग- 490024. | ₹ 16,98,406/- 31 अक्टूबर 23 की स्थिति में | यूनिट-58, 59, सर्वोदय ग्रीन्स, स.क्र., खसरा नं. 49, प.ह.नं. 46/49, ग्राम-चोरहा, दुर्ग छ.ग., प्लॉट एरिया 1200 वर्ग फीट। **लेटिट्यूड-21.252865, लांगिट्यूड-91.495391.** | भौतिक | ₹6,00,000/- | ₹60,000/- / ₹ 5,000/- |
| 4. | **श्री गुप्ता गोपाल** पुत्र घनश्याम गुप्ता, मकान नंबर 99, वार्ड नंबर 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. -491441. **श्रीमती गुप्ता रेणुका** मकान नंबर 99, वार्ड नंबर 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. -491441. | ₹ 29,91,197/- 31 मई 2023 की स्थिति में | प्लॉट खसरा नं. 312/22, 313/11 मकान खसरा नं. 314/12, 315/20, खसरा 316/12, प.ह.नं. 28/46, मौजा मोतीपुर, तुलसीपुर वार्ड क्रमांक 16, बख्तावर चॉल, राजनांदगांव छ.ग., प्लॉट एरिया 3900 वर्ग फीट। बिल्टअप एरिया भूतल-1500 वर्ग फीट, **लेटिट्यूड-21.101325, लांगिट्यूड-81.020374.** | भौतिक | ₹18,00,000/- | ₹1,80,000/- / ₹ 5,000/- |
| 5. | **श्री देवांगन डोमन लाल** ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम हॉस्पिटल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन - 492013. **श्री देवांगन डोमन लाल** मे. डी एस सर्विस, ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम हॉस्पिटल के पास, रायपुर, छ.ग., पिन - 492013. **श्रीमती देवांगन अंजू** ब्लॉक नंबर- ए, महादेव घाट रोड, केआरसी टॉवर के पीछे, रायपुरा, ओम अस्पताल के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन - 492013. | ₹ 38,39,960/- 31 मार्च 2025 की स्थिति में | समस्त भाग एवं आंशिक भाग का मकान क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट (भूतल- 850 वर्ग फुट, प्रथम तल-1000 वर्ग फुट), खसरा नंबर नया 595/64, पुराना 595/6(भाग); घर प.ह. 57, मौज़ा रायपुर, कुम्हार पारा, माधवराव सप्रे वार्ड-69, गणेश नगर, दुर्गा मंदिर के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़); कुल क्षेत्रफल-1000 वर्ग फुट (92.903 वर्ग मीटर); भूतल बिल्टअप एरिया 850 वर्ग फुट, प्रथम तल बिल्टअप एरिया-1000 वर्ग फुट; **लेटिट्यूड-21.221179, लांगिट्यूड-81.5955937.** | भौतिक | ₹30,41,000/- | ₹3,04,100/- / ₹ 5,000/- |
| 6. | **श्री प्रकाश अनोश**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती प्रकाश आशा**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्री प्रकाश अनोश**, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224. **श्रीमती प्रकाश रशिम** अनोश काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224. **श्रीमती प्रकाश आशा** काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224. **श्री प्रकाश अनोश**, प्रकाश इंटरप्राइजेज, न्यू हाई कोर्ट के पास, काली ढाबा के पीछे, रायपुर रोड-बिलासपुर-छग-495001. | ₹ 3,15,03,835/- 31 अगस्त 2022* की स्थिति में | प्लॉट 101, मकान शीट संख्या 5/4, खसरा 118/1, प.ह.नं. 22, मौजा तालापारा कॉलोनी, ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर, प्लॉट एरिया (बिक्री विलेख के अनुसार):- 11,725 वर्ग फुट (1089.68 वर्ग मीटर), बी-1 के अनुसार:- 9146 वर्ग फुट (850 वर्ग मीटर), निर्माण:- (निर्मित क्षेत्र) भूतल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), प्रथम तल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), वास्तविक प्लॉट एरिया (साइट के अनुसार)- 6572 वर्ग फुट, भूतल (व्यावसायिक भाग):- 1975 वर्ग फुट (183.55 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-22.075289, लांगिट्यूड-82.139343.** | भौतिक | ₹2,50,00,000/- | ₹25,00,000/- / ₹ 15,000/- |

**सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 13-जुलाई-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे**
**बोली की अंतिम तिथि :-03-अगस्त-2026, शाम 5.00 बजे के पहले**

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
**(1) आइटम सीरियल नंबर 01 पर सोसाइटी का ₹ 7,50,000/- का बकाया चार्ज है (इसमें अतिरिक्त चार्ज आदि शामिल नहीं हैं जो लग चुके हैं या लग सकते हैं)। प्रॉपर्टी खरीदने वाले को यह बकाया रकम अनिवार्य रूप से चुकानी होगी। कृपया ध्यान दें कि यह रिज़र्व प्राइस के अलावा है। खरीदार को यह रकम सीधे सोसाइटी को चुकानी होगी। (2) HDFC के अधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार, सीरियल नंबर 2-5 वाली अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों पर कोई बोझ (Encumbrance) नहीं है। (3) सीरियल नंबर 6 वाली प्रॉपर्टी के संबंध में यह बताया जाता है कि सिक्युरिटाइज़ेशन एप्लीकेशन (SA) SA/98/2023 अभी माननीय डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल (DRT) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, एवं उक्त प्रॉपर्टी की प्रस्तावित ई-नीलामी और बिक्री, माननीय DRT द्वारा उक्त कार्यवाही में पारित किए जाने वाले अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।**
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.
**सावधानी नोट**: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 28 जून, 2026
स्थान: रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव
**रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013**
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

## एशियाई खेलों में मैदान पर उतरेंगे नीरज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

भारतीय भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने इसकी पुष्टि की। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर गए हैं।

उन्होंने हाल में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत की, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की पुष्टि तो कर दी थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया था कि वह 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे या नहीं। सुमारीवाला ने कहा, 'वह (चोपड़ा) राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों दोनों में भाग लेंगे।

एफआईएच प्रो लीग

# भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा

पाकिस्तान को दी 7-1 से करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

### भारतीय खिलाड़ियों ने खेला आक्रामक खेल

भारत ने दूसरे हाफ में अपना दबदबा बरकरार रखा। उसे 34वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर के चलते पेनल्टी मिली, जिसे हार्दिक ने गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला किया। दिलप्रीत ने सुखजीत के साथ शानदार तालमेल बिठाते हुए जुगराज को पास दिया, जिन्होंने 35वें मिनट में शानदार गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने आक्रामक रवैया जारी रखा, जिसका उसे तब फायदा मिला जब सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया, जिन्होंने 41वें मिनट में दौड़ते हुए गोल दाग दिया। भारत को तीसरे क्वार्टर के आखिर में लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले। इनमें से एक पर राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल किया और टीम की बढ़त को 6-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने रक्षापंक्ति में अनुशासन बनाए रखा और साथ ही आक्रमण जारी रखा।

## राशिफल

**मेष** — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

**वृष** — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**मिथुन** — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

**कर्क** — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

**सिंह** — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

**कन्या** — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

**तुला** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

**वृश्चिक** — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**धनु** — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मकर** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

**कुंभ** — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

**मीन** — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

## शब्द पहेली - 6270

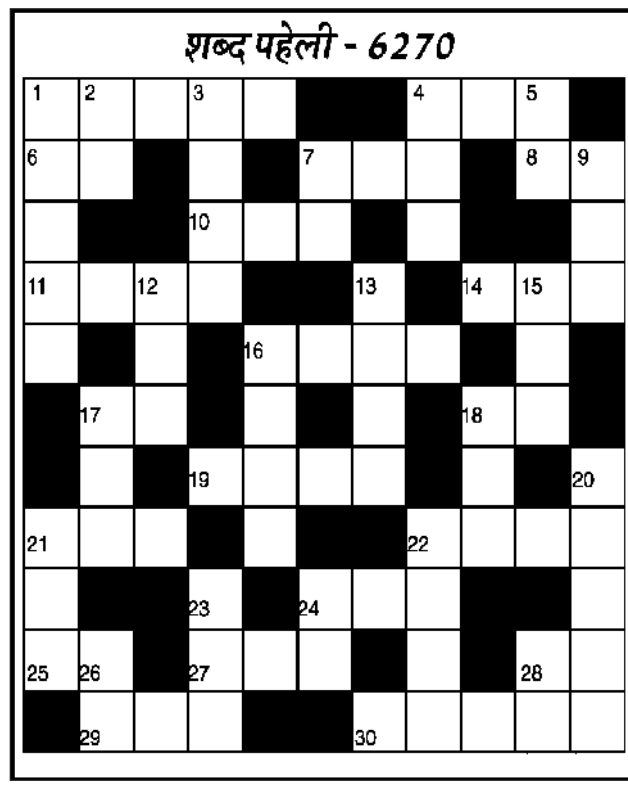

**बाएँ से दाए-**
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

**ऊपर से नीचे**
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

**शब्द पहेली -6269 का हल**

## सूडोकु नवताल 6280

★★★★☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल 6279 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

छ.ग. सराफा एसोसिएशन

"बस्तर से अंबिकापुर एवं रायगढ़ से राजनांदगांव विकास एवं विस्तार के लिए समर्पित"

# सराफा महा सम्मेलन 2026

2 साल बेमिसाल • तीसरा साल बनेगा नई मिसाल

## छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के वर्तमान कार्यकाल की तृतीय सभा

दिनांक : 28 जून 2026, रविवार स्थान : रामदेव लॉन 36 माल के बगल में, मंगला, बिलासपुर (छ.ग.)

मुख्य अतिथि
माननीय अरुण साव जी
उप-मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

अति विशिष्ट अतिथि
माननीय तोखन साहू जी
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

अति विशिष्ट अतिथि
माननीय विजय शर्मा जी
उप-मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

विशिष्ट अतिथि
माननीय लखन लाल देवांगन जी
कैबिनेट मंत्री, छ.ग. शासन

विशिष्ट अतिथि
माननीय राजेश वर्मा जी
सांसद, खगरिया लोकसभा (बिहार)

विशेष अतिथि एवं मार्गदर्शक

माननीय अमर अग्रवाल जी
विधायक, बिलासपुर (छ.ग.)

माननीय धरमलाल कौशिक जी
विधायक, बिल्हा(छ.ग.)

माननीय धरमजीत सिंह जी
विधायक, तखतपुर(छ.ग.)

माननीय सुशांत शुक्ला जी
विधायक, बेलतरा(छ.ग.)

माननीय अटल श्रीवास्तव जी
विधायक, कोटा(छ.ग.)

अतिथिगण

माननीय भूपेन्द्र सवन्नी जी
अध्यक्ष – क्रेडा

माननीय राजा पांडेय जी
अध्यक्ष-पाठ्य पुस्तक निगम

माननीय सौरभ सिंह जी
अध्यक्ष – CMDC

माननीय कृष्णकुमार बांधी जी
पूर्व विधायक, मस्तुरी (छ.ग.)

माननीय सतीश थोरानी जी
अध्यक्ष-छ.ग. चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

माननीय शिवराज भंसाली जी
आधार स्तम्भ-छ.ग. सराफा एसोसिएशन

## -: कार्यक्रम :-

### प्रथम सत्र प्रात: 10:30 बजे से

> माननीय अतिथियों का आगमन, स्वागत, दीप प्रज्वलन
> छ.ग. सराफा एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष का उद्बोधन
> माननीय अतिथियों का उद्बोधन एवं मार्गदर्शन
> जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क की भूमि हेतु छत्तीसगढ़ शासन का आभार
> स्वर्णकला बोर्ड का महत्व एवं गठन की मांग
> धारा 317 BNS/411 IPC के दुरुपयोग रोकने हेतु व्यापारी हित सरलीकरण की माँग
> सराफा रत्न से सम्मान संस्थापक सदस्यों, पूर्व सभी अध्यक्ष एवं सक्रिय सदस्य
> माननीय अतिथियों का सम्मान

### द्वितीय सत्र दोपहर 02:00 बजे से

> माननीय पुलिस प्रशासन/स्थानीय शासन प्रमुख द्वारा कानून एवं सुरक्षा से संबंधित मार्गदर्शन, दिशानिर्देश एवं सुझाव
> BIS एवं GST के प्रमुख अधिकारियों द्वारा कार्यशाला
> नये संविधान के अनुरुप इकाई सदस्यों से एकमुस्त सदस्यता शुल्क संग्रहण आरंभ
> खुला मंच चर्चा
> अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से
> सभी एसोसिएशन सदस्यों का सम्मान
> आभार के साथ सभा का समापन

### हमारा संकल्प

5 संभाग
33 जिले
251 तहसीले

## आयोजक : जिला बिलासपुर सराफा एसोसिएशन एवं समस्त इकाई सदस्य

कल्याण सिंह, अध्यक्ष, 9893352323
दीपक सोनी, सचिव, 9755638874
आलोक सोनी, कोषाध्यक्ष, 89826 55220
श्रीकांत पाण्डेय, कार्यकारी अध्यक्ष, 98279 24898

• बिलासपुर सराफा एसोसिएशन • तखतपुर सराफा एसोसिएशन • मस्तूरी सराफा एसोसिएशन • चकरभाठा सराफा एसोसिएशन • बिल्हा-सरगांव सराफा एसोसिएशन
• बिलासपुर सिल्वर होलसेल सराफा एसोसिएशन • सीपत सराफा एसोसिएशन • बेलतरा सराफा एसोसिएशन • करगी रोड कोटा सराफा एसोसिएशन • रतनपुर सराफा एसोसिएशन

## छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

कमल सोनी
प्रदेश अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
9200000064

प्रकाश गोलछा
प्रदेश सचिव
9302920005

हर्षवर्धन जैन
प्रदेश कोषाध्यक्ष
7879878787

प्रदीप घोरपड़े
चेयर पर्सन
9584460707

संजय कुमार कनुगा
कार्यकारी अध्यक्ष
रायपुर संभाग
9669811111

उत्तम चंद भंडारी
कार्यकारी अध्यक्ष
दुर्ग संभाग
7000924697

पवन अग्रवाल
कार्यकारी अध्यक्ष
बिलासपुर संभाग
9425254000

राजू दुग्गड़
कार्यकारी अध्यक्ष
बस्तर संभाग
9827411119

राजेश सोनी
कार्यकारी अध्यक्ष
सरगुजा संभाग
9300023588

सुनील सोनी
संगठन मंत्री
9826121405

आलोक सोनी
मीडिया प्रभारी
8982655220

FIRST AND BIGGEST
Designer Jewellery Showroom

सहेली ज्वेलर्स
RAIPUR | DURG

Raipur, Sadar Bazaar
+91 9584411144

Durg, Shree Shivam Mall
+91 9244509870

आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

FISHTECH SOLUTIONS PVT. LTD.


हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com